दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 06:03 ए एम
सूर्यास्तः 06:43 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 09:35 ए एम तक
नक्षत्रः विशाखा - 02:00 पी एम तक
योगः सिद्धि - 10:14 पी एम तक
करणः विष्टि - 09:35 ए एम तक
द्वितीय करणः बव - 09:09 पी एम तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः सोमवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 3 • अंक 101 • पृष्ठ 8 • दुमका, सोमवार 10 अप्रैल 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

पीएम मोदी ने जारी किया नया आंकड़ा

भारत में बाघों की तादाद बढ़कर हुई 3167

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में बाघों की मौजूदा आबादी के आंकड़े रविवार को जारी किए. उन्होंने बताया कि भारत में वर्ष 2022 तक बाघों की आबादी 3,167 दर्ज की गई है. उन्होंने मैसुरु में 'इंटरनेशनल बिग कैट्स अलायंस' की शुरुआत की. इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने न सिर्फ बाघों को बचाया है, बल्कि उनकी आबादी बढ़ने के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी भी कायम की है.

उन्होंने कहा कि 'प्रोजेक्ट टाइगर' की सफलता न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लिए गर्व का विषय है. हम पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था के बीच संघर्ष में विश्वास नहीं करते; हम उनके सह-अस्तित्व को महत्व देते हैं. भारत एक ऐसा देश है, जहां प्रकृति की रक्षा करना संस्कृति का हिस्सा है.

उन्होंने कहा कि जब अनेक टाइगर रिजर्व देशों में उनकी आबादी स्थिर है या आबादी घट रही है तो फिर भारत में तेजी से बढ़ क्यों रही है? इसका उत्तर है भारत की परंपरा, भारत की संस्कृति और भारत के समाज में बायो डायवर्सिटी को लेकर, पर्यावरण को लेकर हमारा स्वाभाविक आग्रह. एशियाटिक शेर रखने वाला हम दुनिया का इकलौता देश हैं. शेरों की आबादी 2015 में 525 से बढ़कर 2020 में 675 हो गई है. हमारे तेंदुए की आबादी केवल चार वर्षों में 60% से अधिक हो गई है.

पीएम मोदी ने किया बांदीपुर टाइगर रिजर्व का दौरा

नयी दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज कर्नाटक दौरे पर हैं। उन्होंने आज राज्य के बांदीपुर और मुदुमलाल टाइगर रिजर्व का दौरा किया। पीएम ने यहां बाघों को बचाने के लिए 50 साल पहले शुरू किए गए प्रोजेक्ट टाइगर की सालगिरह पर कार्यक्रम का भी उद्घाटन किया। इसी के साथ उन्होंने आज देश में बाघों की जनसंख्या के आंकड़े भी जारी कर दिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को मैसुरु में बाघों की आबादी को लेकर नवीनतम आंकड़ा जारी किया और बताया कि 2022 में भारत में बाघों की संख्या 3,167 थी। आंकड़ों के अनुसार, देश में 2006 में बाघों की आबादी 1411, 2010 में 1706, 2014 में 2226, 2018 में 2967 और 2022 में 3167 थी।

पीएम ने कहा, ₹दशकों पहले भारत से चीते विलुप्त हो गए थे, हम शानदार चितों को नामीबिया और दक्षिण अफ्रिका से भारत लेकर आए। कुछ दिन पहलेही कूनो नेशनल पार्क में 4 सुंदर शावकों ने जन्म लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में बाघों की संख्या के आंकड़े जारी करने के बाद कहा कि हम सभी एक बेहत महत्वपूर्ण पड़ाव के साक्षी बन रहे हैं, प्रोजेक्ट टाइगर को 50 वर्ष हो गए हैं। भारत ने न सिर्फ टाइगर को बचाया है बल्कि उसे फलने फूलने का एक बेहतरीन ईको सिस्टम दिया है।

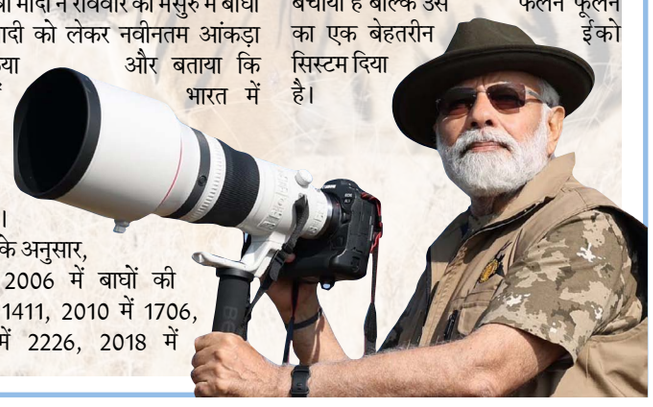

राजा भैया दे सकते हैं पत्नी को तलाक

नयी दिल्ली/एजेंसी। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और उनकी पत्नी पूर्व राज्यमंत्री स्वाति सिंह के तलाक के बाद अब जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष एवं कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी कुमारी के बीच तलाक की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। बताया जा रहा है कि राजा भैया ने पत्नी से तलाक लेने को लेकर दिल्ली के साकेत पारिवारिक न्यायालय में अर्जी भी दे दी है। वहीं यह भी बताया जा रहा है कि यह अर्जी करीब दो साल पहले ही दी गई थी।

कोविड के बढ़ते मामले देख हरियाणा, केरल और पुडुचेरी में मास्क किया गया अनिवार्य

नयी दिल्ली/एजेंसी।

कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए हरियाणा, केरल और पुडुचेरी ने मास्क अनिवार्य कर दिया है। हरियाणा सरकार के अनुसार, सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य है। सरकार ने आम लोगों से अपील की है कि वह कोरोना के रोकथाम के लिए जरूरी नियमों का पालन करें। सरकार ने जिला और पंचायत प्रशासन को इसकी निगरानी करने का आदेश दिया है। वहीं, केरल सरकार ने गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों वाले लोगों के लिए भी मास्क अनिवार्य कर दिया है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने राज्य में कोविड-19 की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित करने के बाद कहा कि कोविड से संबंधित मौतें ज्यादातर 60 साल से ऊपर के लोगों और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे मधुमेह से पीड़ित लोगों में होती हैं।

24 घंटे में पांच हजार से ज्यादा नए संक्रमित मिले, 11 लोगों की मौत

देश में कोरोना मरीजों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। आलम ये है कि अब एक्टिव केस यानी ऐसे मरीजों की संख्या 32 हजार के पार हो गई है, जिनका अभी इलाज चल रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश में अभी 32 हजार 814 एक्टिव केस है। पिछले 24 घंटे के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस बीच, 5,357 लोग संक्रमित पाए गए हैं। 11 मरीजों की मौत भी हो गई।

राजधानी एक्सप्रेस में अचानक निकलने लगा धुआं, अफरा-तफरी

नई दिल्ली/एजेंसी। चेन्नई–दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस में धुएं की वजह से आंध्र प्रदेश के ने–ल्लोर जिले में रविवार को यात्रियों में अफरातफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक रविवार को ट्रेन के बी–5 डिब्बे में पहियों के पास एक दम से धुआं निकलने लगा, जिसको देखकर यात्रियों में अफरातफरी मच गई।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
59,832.97+143.66 (0.24%)

निफ्टी
17,599.15+42.10 (0.24%)

सीएम एकनाथ शिंदे अपने सभी सांसदों और विधायकों के साथ पहुंचे अयोध्या

नई दिल्ली/एजेंसी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उट बनने और शिवसेना का नाम और चुनाव चिन्ह मिलने के बाद पहली बार अपने सभी विधायकों और सांसदों के साथ अयोध्या पहुंचे हैं. शिंदे शनिवार को ही देर रात लखनऊ पहुंच गए थे और आज सुबह वो पू-रे काफिले के साथ अयोध्या पहुंचे. अयोध्या में शक्ति प्रदर्शन कर एकनाथ शिंदे अपने आप को हिंदुत्व की राजनीति करने वाले नेता के तौर पर स्थापित करने की कोशिश में हैं. शिंदे के अयोध्या दौरे को लेकर पूरे अयोध्या में शिवसेना के झंडे और मुख्यमंत्री के बैनर लगाए गए हैं. शिवसेना नाम और धनुष बाण का चुनाव चिन्ह मिलने के बाद एकनाथ शिंदे अपने आप को बालासाहेब ठाकरे का सच्चा अनुयायी बताने की कोशिश कर रहे हैं और इसलिए पूरे विधायकों और सांसदों के साथ मुख्यमंत्री अयोध्या का दौरा करने पहुंचे हैं. शिवसेना के प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने कहा कि हमारी मुख्य विचारधारा हिंदुत्व की है और पार्टी उससे पार्टी दूर जा रही थी.

Dipendra Singh
9335448671

R.K. Choudhary
8384831556

RK marbles & tiles

मार्बल & ग्रेनाइट

राजस्थान वाले

रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा मंत्री को दी गई श्रद्धांजलि

दुमका। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। झारखण्ड के दिवंगत शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो की आत्मा की शांति के लिए महिषबाथान के हटिया परिसर में रविवार को झमुमो प्रखंड अध्यक्ष बाबुजन हेम्ब्रम के अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि दी गई।शोक सभा में ईश्वर से शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महातो के आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।शोक सभा मे जिला समिति के उपाध्यक्ष भैरव दत्त, अमल मंडल , सुरेश बास्की एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे ।

सेंगेल अभियान की बैठक आयोजित

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। रानीश्वर प्रखंड के सालतोला जीवन मोड़ फुटबॉल मैदान में रविवार को सेंगेल अभियान के प्रखंड अध्यक्ष बार्नाड हांसदा के अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में जगन हेंब्रम को सालतोला पंचायत का सेंगेल परगना नियुक्त किया गया। ज्ञात हो कि रानीश्वर प्रखण्ड कार्यालय परिसर में मंगलवार को ग्राम प्रधानों की मासिक बैठक प्रधान रूसोरम बास्की के अध्यक्षता में बैठक हुई थी,जिसमे संताली भाषा(ऑल चिकी लिपि)का विरोध किया गया,जबकि संताली भाषा 8 वी अनुसूची में शामिल हैं। बैठक में वर्नाड ने कहा कि इससे पता चल रहा है कि ग्राम प्रधान संताली भाषा के विरोधी है ओर दूसरी तरफ मंडल-भगत ग्राम प्रधान बन रहे हैं,जो आदिवासी भी नही है।सेंगेल इसका विरोध करता है। कहा कि भीम प्रसाद मंडल आदिवासी भी नही है ग्राम प्रधान/मांझी नही बन सकते है।सेंगेल की मांग है कि 2023 में सरना धर्म कोड लागू किया जाए।झारखंड में प्रथम राज भाषा संताली भाषा को लागू किया जाए,डोमिसाइल नीति लागू किया जाए,सीएनटी/एसपीटी एक्ट शक्ति से लागू किया जाए,आसम के आदिवासी को एसटी का दर्जा देना होगा आदि। बैठक में सिवाली मुर्मू महिला मोर्चा अध्यक्ष, ढेबा हांसदा ब्लॉक सेंगेल परगना,सोनोदी किस्कू,रोसो टुडू, मेनोका मुर्मू, जगन हेंब्रम अदि उपस्थित थे।

ब्लाइंड स्कूल हिजला के बच्चों के बीच पठन सामग्री वितरित

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं सामाजिक कार्यकर्ता जतिन कुमार की ओर से संयुक्त रूप से ब्लाइंड स्कूल विद्यालय हिजला के बच्चों को पठन सामग्री, स्नैक्स के साथ छात्राओं को सिंगार का सामान दिया गया। बच्चों के बीच कलम,पेंसिल, पैन,रबर,बिस्कुट,चॉकलेट,कुरकुरे, आदि बांटे गए।मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना से राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त जतिन कुमार ने कहा कि सेवा ही धर्म है सेवा ही कर्म है के सार्थक पहल को लेकर समाज में सेवा दे रहे हैं।बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी पढ़ाई बाधित नहीं होनी चाहिए जो भी आपको चाहिए हमें बताइए हम लोग सहयोग करेंगे।इस अवसर पर उन्होंने आमजनों से अपील की है कि अपने जन्मदिन या कुछ विशेष दिन पर किसी सेवा बस्ती गाव में जाकर जरूरतमंदों के बीच उत्सव मनाएं ताकि उनको भी समाज के साथ जोड़ा जा सके और लाभ मिल सके।मौके पर सैकड़ों बच्चे मौजूद थे और बच्चों मे काफी उत्साह भी था। बच्चों ने पुनः आने को कहा।इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता अमित जोशी, निफा के संस्कृति कार्यक्रम समन्वयक खुशबू कुमारी, परिमाल कोऑर्डिनेटर स्वाति चौधरी,रमेश मंडल, जतीन कुमार, संजय कुमार पाल,अभिषेक साहा,प्रीति प्रिया,अभिषेक रंजन आदि मौजूद थे।

केशरी सूर्य मन्दिर में पूजा-अर्चना को लेकर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। रविवार को जरमुंडी प्रखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध केसरी सूर्य मन्दिर में पूजा-अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड उमड़ी । सभी श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य की नेम- निष्ठा से पूजा-अर्चना कर अपने परिजनों के सुख,समृद्धि एवं आरोग्यता का आशीर्वाद माँगा ।

मान्यता के अनुसार केसरी के इस सूर्य मन्दिर में नेम-निष्ठा से पूजा-अर्चना करने से मांगी गई सभी मनोकामनाएं पूरी होती है एवं चर्म रोग से मुक्ति मिलती है । महिने के प्रत्येक रविवार को यहाँ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है ' केसरी गाँव स्थित इस सूर्य मन्दिर के पास प्रत्येक रविवार के दिन श्रद्धालुओं के जरुरतों का सारा सामान उपलब्ध रहता है । पूजा-पाठ से लेकर फल-फलाहार,नाश्ता एवं श्रृंगार सामग्री की दुकाने उपलब्ध रहती हैं।

झारखंड सरकार सिर्फ लूट खसोट में व्यस्त है-गिरधारी झा

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) झारखंड के सभी लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव में देंगी प्रत्याशी

प्रत्येक विधानसभा में 10 हजार कार्यकर्ता जोड़ेगी लोजपा (आर)

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) द्वारा आवश्यक बैठक जिला अध्यक्ष गिरधारी झा के अध्यक्षता में दुमका परिसदन में हुई। संथाल परगना प्रभारी मनोज राय ,प्रदेश उपाध्यक्ष जीवन राय ,प्रदेश महासचिव हेमंत श्रीवास्तव, प्रदेश सचिव चंद्रशेखर राय, प्रदेश सचिव मोहन साह ,पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप शर्मा, युवा जिला अध्यक्ष राजीव गुप्ता ,नगर अध्यक्ष कृष्णा झा सहित सभी पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे ।बैठक में प्रदेश अध्यक्ष विरेन्द्र प्रधान के दिशा अनुसार जिला कमेटी का विस्तार किया गया ।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन किया जाएगा। 14 मार्च को नई दिल्ली में राष्ट्रीय परिषद की बैठक में पूरे भारतवर्ष में निर्देश मिला है कि अभी से लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव की तैयारी में कार्यकर्ता जुट जाएं एवं प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान के निर्देशानुसार प्रत्येक विधानसभा में 10,000 कार्यकर्ता जोड़ने का कार्य पार्टी करेंगी ।लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) झारखंड के सभी लोकसभा एवं विधानसभा प्रत्याशी देंगी ।लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के विचारों से प्रभावित होकर दर्जनों लोगों ने सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में से कुणाल मरांडी, पवन मरांडी ,कैलाश शर्मा, गौतम कुमार साह, पवन गुप्ता ,अनिल कुमार ,उत्तम कुमार साह ,संजीव कुमार , उदय कुमार आदि लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। लोक जनशक्ति पार्टी(आर) झारखंड सरकार के क्रियाकलापों के चलते लोजपा (आर) सभी प्रखंड एवं जिला में आंदोलन करेगी एवं हेमंत सरकार का पोल खुलेगी। जिला अध्यक्ष गिरधारी झा ने कहा झारखंड सरकार झारखंड के सभी आम नागरिकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है ।झारखंड सरकार सिर्फ लूट खसोट में व्यस्त है । झारखंड को खोखला बना दिया है। झारखंड के युवा एवं विकास से कोई मतलब नहीं है ।इस बैठक में बाबू झा, पवन गुप्ता, कृष्णा झा ,शिवकुमार, प्रीतम कुमार,दीनू बनर्जी, सत्य प्रकाश आनंद, देवघर जिला महिला जिला अध्यक्ष शंकरी पासवान, अजय शर्मा, मुकेश यादव, लखन ठाकुर आदि मौजूद थे.

ईसाई समुदायों के लोगों ने धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया पास्का पर्व (ईस्टर)

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । ईसाई समुदायों के लोगों ने हजारों की संख्या में शिकारीपाड़ा स्थित संत रीता मिशन गिरजाघर सेंटर पंहुचकर विगत मध्य रात्रि से भक्तिमय प्रार्थना जागरण कर बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास से पास्का पर्व (ईस्टर) मनाया। येसु मसीह के अनुयायी ईसाई समुदाय के लोग हर वर्ष पास्का पर्व मनाते हैं। बाईबल शास्त्र के अनुसार ईशपुत्र येसु मसीह ने दुनियाभर के तमाम मनुष्यों को पापों से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से मरूभूमि में चालीस दिनों तक उपवास प्रार्थना की थी।तत्पश्चात यहूदी लोगों ने उन्हे क्रूस पर बलि चढ़ा दिया था।समुदाय के लोगों के अनुसार मरणोपरांत पुनः तीसरे दिन वे जी उठे थे।उन्हीं की याद में ईसाई समुदाय के लोग पास्का पर्व मनाते आ रहे हैं। मौके पर गिरजाघर के मुख्य पादरी ने बाईबल में अंकित इस अद्भुत धरती-आसमान की उत्पत्ति, जल,थल तथा वायु के विभिन्न जीवंत प्राणियों,निर्जीव वस्तुओं का सृजन, सजीव पेड़-पौधे के उत्पति से संबंधित सात दिवसीय ईश्वरीय योजनाबद्ध संपन्न कार्य का पाठ सुनाया और इस ईश्वचन के तहत ब्राह्मण्ड की उत्पति और ईशपुत्र येसु मसीह द्वारा मृत्यु पर विजय प्राप्ति की ईश्वरीय रहस्यमय ताकत तथा एकलौते पुत्र येसु मसीह स्वयं बलिदान होकर पापी मनुष्य के प्रति ईश्वरीय असीम प्रेम बंधन को जोड़ने का कार्य को विस्तार से संदेश स्वरूप दिया गया। मौके पर चर्च के पादरी ने ईसाई समुदाय के लोगों को दुनियाभर पर में ईश्वरीय महिमा के लिए ईशपुत्र येसु मसीह के जीवन चरित्र से प्राप्त सत्य,अहिंसा, शांति, दया,क्षमा, त्याग, बलिदान और प्रेम के राह पर सदैव चलने की नसीहत दी।

280 से अधिक चापानल की मरम्मती का कार्य शुरू

दुमका । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। उपायुक्त के निदेश पर उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा आसन्न ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निदेश दिया है कि खराब अथवा बंद पड़े जल संरचनाओं (चापानल / पानी - टंकी / जल मिनार आदि) को अविलम्ब पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से तकनीकी सहायता प्राप्त कर 15वीं वित्त आयोग के आबद्ध राशि से नियमानुसार क्रियाशील करना सुनिश्चित करेंगे।प्राप्त निदेश के आलोक में सभी प्रखण्डों में वृहत स्तर पर खराब अथवा बंद पड़े जल संरचनाओं (चापानल / पानी - टंकी / जल मिनार आदि) के मरम्मती का कार्य मिशन मोड में प्रारंभ कर दिया गया है।उन्होंने निदेश दिया है कि सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अपने-अपने प्रखण्ड में पेयजल संबंधी शिकायत के निवारण हेतु क्विक रेस्पांस टीम का गठन कर उसके माध्यम से शिकायतों का निराकरण करेंगे।कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल - कएवं कक्क, दुमका को निदेश दिया गया कि पेयजल समस्या के निदान हेतु स्थापित कंट्रोल रूम में प्राप्त होने वाले शिकायतों को 72 घंटे के अन्दर निराकरण कराना सुनिश्चित करेंगे।ज्ञात हो कि पिछले एक सप्ताह में 280 से अधिक चापानल की मरम्मती का कार्य किया जा चुका है।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को धरातल पर सफलीभूत करने हेतु पंचायत / ग्राम स्तर पर योजनाओं के सघन एवं सतत अनुश्रवण तथा नियमित निरीक्षण की नितान्त आवश्यकता है।कहा कि पदस्थापित प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी / पर्यवेक्षक (यथा- प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी/ प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी / प्रखण्ड सांख्यिकी पर्यवेक्षक / प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी / प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी / बाल विकास परियोजना पदाधिकारी / महिला प्रसार पदाधिकारी / प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी / प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी (मनरेगा) / सहायक अभियंता / कनीय अभियंता / प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी / प्रखण्ड समन्वयक /प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक (पंचायती राज) / प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक (जेएसएलपीएस) / प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक (आत्मा) आदि) को पंचायतों का वरीय पदाधिकारी प्रतिनियुक्त कर पंचायतों में संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों के नियमित निरीक्षण एवं अनुश्रवण का कार्य करेंगे।

भागवत कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बताती है

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका। रामगढ़ प्रखंड के लखनपुर गांव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन की कथा के दौरान श्री धाम वृंदावन से आई कथा व्यास राधा किशोरी जी के द्वारा शुकदेव जन्म,परीक्षित श्राप और अमर कथा का वर्णन करते हुए बताया कि ''नारद जी के कहने पर पार्वती जी ने भगवान शिव से पूछा कि उनके गले में जो मुंडमाला है वह किसकी है। तो भोलेनाथ ने बताया वह मुंड किसी और के नहीं बल्कि स्वयं पार्वती जी के हैं। हर जन्म में पार्वती जी विभिन्ना रूपों में शिव की पत्नी के रूप में जब भी देह त्याग करती शंकर जी उनके मुंड को अपने गले में धारण कर लेते। पार्वती ने हंसते हुए कहा हर जन्म में क्या मैं ही मरती रही, आप क्यों नहीं।शंकर जी ने कहा हमने अमर कथा सुन रखी है पार्वती जी ने कहा मुझे भी वह अमर कथा सुनाइए शंकर जी पार्वती जी को अमर कथा सुनाने लगे। शिव-पार्वती के अलावा सिर्फ एक तोते का अंडा था जो कथा के प्रभाव से फूट गया। उसमें से श्री सुखदेव जी का प्राकट्य हुआ कथा सुनते सुनते पार्वती जी सो गई वह पूरी कथा श्री सुखदेव जी ने सुनी और अमर हो गए। शंकर जी सुखदेव जी के पीछे उन्हें मृत्युदंड देने के लिए दौड़े। सुखदेव जी भागते भागते व्यास जी के आश्रम में पहुंचे और उनकी पत्नी के मुंह से गर्भ में प्रविष्ट हो गए। 12 वर्ष बाद श्री सुखदेव जी गर्व से बाहर आए इस तरह श्री सुखदेव जी का जन्म हुआ।कथा व्यास जी ने बताया कि भगवान की कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है। राजा परीक्षित के कारण भागवत कथा पृथ्वी के लोगों को सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समाज द्वारा बनाए गए नियम गलत हो सकते है। किंतु भगवान के नियम ना तो गलत हो सकते हैं और नहीं बदले जा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भागवत के चार अक्षर इसका तात्पर्य यह है कि भा से भक्ति, ग से ज्ञान, व से वैराग्य और त त्याग जो हमारे जीवन में प्रदान करे उसे हम भागवत कहते है। कथा के दौरान वृंदावन से आई भजन मंडली द्वारा एक से बढ़कर एक भजन गाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ढाई लाख का सामग्री जलकर हुआ स्वाहा

हिरणपुर(पाकुड़)। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। हिरणपुर थाना क्षेत्र स्थित चौड़ामोड़ मैं कृष्णा साहा के जूता चप्पल एवं मोबाइल एव किराना दुकान में लगी आग सामग्री हुआ जलकर खाक, ग्रामीणों के अथक प्रयास के उपरांत, अग्निशमन वाहन ने पाया आग में काबू, लगभग ढाई लाख का सामग्री हुआ स्वाहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात लगभग 2 बजे अचानक आग लगने से दुकान दुकान के सामग्री सहित दो कंप्यूटर, पुराने मोबाइल सहित दुकान के अन्य सामग्री जलकर खाक हो गया, ग्रामीणों के अनुसार जिस वक्त आग लगी थी उस समय विद्युत आपूर्ति ठप थी इस कारण आग लगने का कोई सटीक कारण नहीं मिल पाया, हलांकी आग लगने की सूचना मिलते ही आनन-फानन में आग बुझाने का अथक प्रयास किया परंतु आग में काबू नहीं पाया गया, अंततः अग्निशमन को सूचित किया गया और सूचना मिलते ही अग्निशमन वाहन घटनास्थल पहुंची और आग पर काबू पाया गया।

जनता हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकेगी, 11 अप्रैल को भाजपा करेगी ऐतिहासिक सचिवालय घेराव : डॉ लुईस मरांडी

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । भाजपा की वरिष्ठ नेत्री व झारखंड सरकार की पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ लुईस मरांडी की गरिमामयी उपस्थिति में पाकुड़ परिसदन में भाजपा के प्रमुख कार्यकर्त्ताओं की बैठक जिला अध्यक्ष अमृत पांडेय की अध्यक्षता में हुई. पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने बैठक में विभिन्न सांगठनिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि 11 अप्रैल को राजधानी रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन सचिवालय का घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने पर चर्चा हुई.उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केवल लूट, घोटाले, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण में लगी है। उन्हांने कहा

कि राज्य में वित्तीय अराजकता की स्थिति भयावह है। यह देश का पहला राज्य है, जहां मार्च लूट के तहत एक दिन में 5000 करोड़ रूपए की निकासी होती है। सरकार की लोक लुभावन योजनाओं का बुरा हाल है। साथ ही बजट के 11 हजार करोड़ रुपया सरेंडर हो गए। उन्होंने कहा कि राज्य की विधि व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। जनता भगवान भरोसे जीवन बसर कर रही। जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय ने कहा कि इस घेराव प्रदर्शन में पाकुड़ ज़िले से 1150 भाजपा कार्यकर्त्ता रांची पहुंचेंगे। घेराव प्रदर्शन के माध्यम से हेमंत सरकार को उनके चुनावी वायदे को याद दिलाया जाएगा. इस बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुग्रहित प्रसाद साह प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मीरा प्रवीण सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष विवेकानंद तिवारी, पूर्व जिला अध्यक्ष बलराम दुबे,अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्गा मरांडी,जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय, वरिष्ठ नेता विश्वनाथ भगत, किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शबरी पाल, नगर परिषद अध्यक्ष संपा साह,नगर अध्यक्ष पंकज साह, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष युवराज सिंह, युवा मोर्चा जिला महामंत्री रवि शंकर झा, रुपेश भगत, पवन भगत, अजा मोर्चा के नगर अध्यक्ष गणेश रजक, राजकुमार भगत उपस्थित हुए.

संक्षिप्त समाचार

सड़क सुरक्षा एवं साईबर ठगी को लेकर ग्रामवासियों के बीच पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड के सुदूरवर्ती चकलाडांगा एवं कर्मोनाला गांव में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत थाना प्रभारी अभिषेक राय द्वारा सड़क सुरक्षा एवं साईबर ठगी को लेकर ग्रामवासियों के बीच जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर थाना प्रभारी ने बताया कि आपकी जीवन की सुरक्षा आपके ही हाथ में है। सावधानी बरती जाए तो जीवन सुरक्षित है और असावधानी बरती जाए तो जीवन असुरक्षित है। आज आये दिन वाहन चलाते समय या वाहन में सफर करते वक्त असावधानी के कारण बड़ी दुर्घटनाएं रोज घट रही है। वहीं साइबर अपराधी भोले भाले लोगों को ठगी करने में सफल हो जाते है और बैंक खाते से लाखो रुपया उड़ा देते हैं। ऐसी दुर्घटनाओं एवं घटनाओं से बचने के लिए हमे हर पल सावधान रहने की जरूरत है। थाना प्रभारी ने सड़क सुरक्षा से संबंधित इन नियमो को घर जाकर आसपास के लोगो को जागरूक करने की अपील ग्रामीणों से किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी ने युवाओं एवं ग्रामीणों के बीच फुटबॉल देकर प्रोत्साहित किया।

निजी विद्यालय पब्लिक स्कूल का उद्घाटन

पाकुड़िया(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड अंतर्गत गनपुरा पंचायत के तालडीह गांव में रविवार को नवनिर्मित निजी विद्यालय पब्लिक स्कूल का उद्घाटन दुमका जिला अंतर्गत झुनकी पंचायत के मुखिया विनय सोरेन ने नारियल फोड़ने के साथ ही फीता काटकर किया। इसके पूर्व विद्यालय के संचालक अर्जुन मुर्मू ने अतिथियों का स्वागत माला पहनाकर एवं बुके देकर किया। मौके पर उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए झुनकी मुखिया विनय सोरेन ने कहा कि सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले गरीब बच्चो के लिए ये पब्लिक स्कूल आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होगा. इस विद्यालय में बहुत ही कम फीस एवं रियायती छूट पर बच्चो को बेहतर शिक्षा प्राप्त होगी। इस दौरान अतिथियों ने विद्यालय में नामांकित छात्रों एवं उनके अभिभावकों को कलम, कॉपी, कैलेंडर इत्यादि सामग्री देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि गणपुरा पंचायत की मुखिया सुशीला मरांडी, धावा डंगाल पंचायत के मुखिया दिनेश सोरेन ने भी उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने राशन दुकानों का औचक निरीक्षण कर डीलरों को दिया आवश्यक दिशा निर्देश

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी पद्मकिशोर महतो ने रविवार को आधा दर्जन से ज्यादा राशन दुकानों का औचक निरीक्षण कर डीलरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. निरीक्षण के क्रम में एमओ ने 95 फीसदी से कम वितरण करने वाले राशन डीलर को दो दिन के अंदर शत प्रतिशत अनाज वितरण करने का निर्देश दिया. एमओ ने बताया जिला आपूर्ति पदाधिकारी के निर्देश पर प्रखंड के जोरडीहा, जामजोड़ी, कुजबोना व करमाटार पंचायत के डीलर धरमा पहाड़िया, उनील मरांडी, लक्ष्मी एसएचजी,रामा एसएचजी, सुरजा पहाड़िया व सूर्यनारायण पहाड़िया का दुकान निरीक्षण किया. उक्त सभी डीलर का वितरण मार्च 2023 में 90 फीसदी से कम है. उन्होंने कहा कि अगर दो दिनों के अंदर डीलर शत प्रतिशत अनाज वितरण नही करेगा, वैसे डीलर पर विभागीय कार्रवाई के लिए जिला आपूर्ति पदाधिकारी को पत्र लिखा जाएगा. एमओ ने सभी डीलरों को दुकान सामने लाइसेंस न.के साथ लाभुको की सूची का बोर्ड लगाने के साथ प्रति दिन का दुकान का स्टॉक लिखने का निर्देश दिया. उल्लेखनीय है कि उक्त सभी पंचायत के डीलर का मशीन फरवरी 2023 तक ऑफ लाइन था और मार्च 2023 से ऑन लाइन कर दिया गया है और समन्धित क्षेत्र के डीलर के सेकड़ो लाभुको का आधार सीडिंग राशनकार्ड से नही रहने की वजह से अनाज वितरण में डीलर को काफी कठिनाई हो रही है. डीलर चाह कर भी लाभुको को अनाज नही दे पा रहा है. चुकी लाभुक का फिंगर मशीन में नही उठने की वजह से डीलर राशन नही दे पा रहा है. जिसकी वजह से वितरण का प्रतिशत 90 फीसदी से कम हो पाता है.

गुड फ्राईडे के शुभ अवसर पर तीन दिवसय फुटबॉल खेल का आयोजन, पाडेरकोला ने एक गोल से विजयी

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। अमड़ापाडा प्रखंड क्षेत्र के पचुवाड़ा पंचायत अंतर्गत बाधापाड़ा गांव में गुड फ्राईडे के शुभ अवसर पर तीन दिवसय फुटबॉल खेल का आयोजन किया गया। जिसमें सोलह टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें प्रवेश शुल्क 1500 रुपए रखा गया था। इसी तीन दिवसीय फुटबॉल खेल का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला गया। पाडेरकोला और गोड्डा जिला के डोडियों के बीच खेला गया. फाइनल में पाडेरकोला ने एक गोल से विजयी बना। कमेटी की ओर से जो टीम फाइनल में जीता उन्हें 10000 हजार रुपया पुरस्कृत किया गया। दूसरे स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 8000 रुपया दिया गया। सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाले टीमों को 3000-3000 हजार रुपया दिया गया। वहीं फुटबॉल खेल के साथ साथ आदिवासी डांस का कार्यक्रम भी हुआ। जो लोगों को काफी पसंद आया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में लिट्टीपाड़ा विधानसभा के भाजपा नेता सत्यशिक्षा नंद मुर्मू एवं लिट्टीपाड़ा प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष शिव प्रसाद पहाड़ियां उपस्थित हुए। मौके पर कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन टुडू, सचिव महेश मरांडी, कोषाध्यक्ष अनिल हांसदा उपसचिव बबलू पहाड़ियां, कॉमेंटेटर मुंशी मुर्मू कर्नल मरांडी सुनील मरांडी सहित अन्य मौजूद थे।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने महुलपहाडी पंचायत के विभिन्न गांवों का किया भ्रमण, बूथ समितियों का किया गठन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़िया(पाकुड़) । भारतीय जनता पार्टी इन दिनों सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी के विस्तार को अमली जामा पहनाने पर ध्यान दे रही है। इसी कड़ी में रविवार को भाजपा के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत भाजयुमो जिलाध्यक्ष जयसेन बेसरा ने महुलपहाडी पंचायत के विभिन्न गांवों का भ्रमण कर बूथ नंबर 225, 227, 228 में बूथ समितियों का गठन किया गया। जिसमें बूथ नं 225 में नामिल सोरेन, 227 में रमन मुर्मू

और 228 में तावेन्द्र सोरेन को अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जयसेन बेसरा ने कहा कि बूथ सशक्तिकरण से लोकसभा और विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत सीटें जीतने में पार्टी को सहूलियत व मजबूती मिलेगी। देश की सेवा करने के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाना है। जिसके लिये गांव गांव पार्टी को मजबूत बनाने का शिलशिला जोर शोर से जारी है।

राजद जिलाध्यक्ष ने किया जामा प्रखंड कार्यालय का उद्घाटन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका। जामा प्रखंड क्षेत्र के जामा चौक में रविवार को राष्ट्रीय जनता दल के प्रखंड कार्यालय का विधिवत उद्घाटन जिला अध्यक्ष प्रमोद पंडित ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जामा में बहुत दिनों से कार्यालय की कमी थी जो आज पूरी हो गई। कार्यालय खुलने से यहां गरीब शोषित वंचित पिछड़ा सब अपनी समस्याओं को लेकर आएंगे जिसका निष्पादन यथाशीघ्र करने की कोशिश की जाएगी। मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित झारखंड प्रदेश राजद अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बाबूराम हांसदा ने कहा कि राजद गरीब,गुरबों,दलितों की पार्टी है। जामा में राजद प्रखंड कार्यालय खुलने से गरीबों की समस्याओं का त्वरित निष्पादन होगा। जामा आदिवासी पिछड़ा अल्पसंख्यक दलित बहुल क्षेत्र है यहां के लोगों को अपने

बुनियादी समस्या के लिए प्रतिदिन कार्यालयों का चक्कर लगाना पड़ता है।मौके पर दर्जनों लोगों ने राजद की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में मंगल राणा,पवन माल, फौजी माल,सुभाष माल,संतोष मुर्मू , सोहन दास,संजय मरांडी,निर्मल हांसदा सहित दर्जनों लोग शामिल थे। उद्घाटन समारोह में मुख्य रूप से अनुमंडल अध्यक्ष जितेश कुमार दास, दुमका नगर अध्यक्ष कंचन यादव, दुमका प्रखंड अध्यक्ष पंकज यादव ,शिव सुंदर यादव, नवल किशोर यादव, अनिल पंडित ,मोहन रावत,विमल यादव,मुन्ना कुमार, नागेश्वर राय,परेश पंडित,सोहन मंडल ,संतोष मुर्मू ,आकाश मरांडी, संतोष कुमार, सोमलाल मुर्मू, निर्मल हांसदा सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

विभिन्न जिलों के भी खिलाड़ियों ने लिया भाग

सेल फुटबॉल एकेडमी मैं चयन के लिए पहले दिन खिलाड़ियों की उमड़ा भीड़

राज्य बनने के बाद पाकुड़ जिले में पहली बार हुआ है सेल फुटबॉल एकेडमी का ट्रायल

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिला स्तरीय स्टेडियम (बैंक कॉलोनी) पाकुड़ में बोकारो स्टील प्लांट द्वारा आयोजित सेल फुटबॉल अकैडमी चयन ट्रायल का शुभारंभ जिला खेलकूद पदाधिकारी राहुल कुमार ने किया। पाकुड़ जिला ओलंपिक संघ व पाकुड़ जिला फुटबॉल संघ के महासचिव रणवीर सिंह ने बताया कि पाकुड़ जिले के लिए बहुत ही गर्व की बात है कि बोकारो स्टील प्लांट द्वारा सेल फुटबॉल अकादमी का ट्रायल जिले में लिया जा रहा है। जिले में ट्रायल होने से जिले के ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण खिलाड़ी भाग लेंगे। ट्रायल के पहले दिन लगभग 250 खिलाड़ी ने भाग लिया है। साथ ही साथ विभिन्न जिलों के भी 30 से 35 खिलाड़ी उक्त ट्रायल में भाग ले रहे हैं। ट्रायल बोकारो सैल से आए सीनियर मैनेजर स्पोर्ट्स सह चीफ सेल फुटबॉल अकैडमी के

● जिला स्तरीय स्टेडियम मैं लिया जा रहा है ट्रायल

पदाधिकारी सुभाष रजक जी के देखरेख में आयोजित की जा रही है। तथा तकनीकी पदाधिकारी के रूप में सेल फुटबॉल अकैडमी के पदाधिकारी चंचल भट्टाचार्य, रंजीत हलदर फुटबॉल कोच सेल बोकारो, के द्वारा खिलाड़ियों का ट्रायल स्किल टेस्ट, टेंपरामेंट ,गेम ऐटिटूड के आधार पर टेस्ट लिया जा रहा है।

जो भी खिलाड़ी उक्त चयन ट्रायल में भाग लेकर चयनित होंगे उन सभी खिलाड़ियों का ट्रायल पुनः बोकारो में लिया जाएगा। बोकारो सेल फुटबॉल अकादमी में निशुल्क निम्न सुविधा प्रदान की जाएगी। सुसज्जित आवास, भोजन बीएसएल स्कूल में शिक्षा, बीजीएच में चिकित्सा सुविधा, स्कूल यूनिफार्म किताबें , अकादमी यूनिफॉर्म, हॉस्टल ड्रेस, प्रथम वर्ष 750, द्वितीय वर्ष 850, तृतीय वर्ष हजार रुपए, यह प्रतिमा दिया जाएगा! अकादमी में रहने के दौरान प्रत्येक वर्ष खिलाड़ियों का सामूहिक बीमा भी किया जाता है! सेल फुटबॉल अकादमी को बीएस सीटी में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का लाभ मिलेगा। मुख्य रूप से उपस्थित जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार, बोकारो सेल सीनियर मैनेजर स्पोर्ट्स सुभाष रजक, पाकुड़ जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष अर्धेन्दू शेखर गांगुली, पाकुड़ जिला ओलंपिक संघ के महासचिव व पाकुड़ जिला फुटबॉल संघ के महासचिव रणवीर सिंह, बोकारो सेल एकेडमी के तकनीकी पदाधिकारी चंचल भट्टाचार्य, रंजीत हलदर, एथलेटिक्स प्रशिक्षक राजेश कॉल, फुटबॉल प्रशिक्षिका रेखा कुमारी, नारायण चंद्र रॉय, भैरव चुंडा मुर्मू, लखन कुमार सिंह, फुलकुमारी मढैया, रेफरी आदि मौजूद थे।

खबर का असर

दैनिक अखबार में खबर छपने के बाद 24 घंटे के अंदर हुआ गौरपाड़ा में की गई चापाकल मरम्मत

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । 'गौरपाड़ा में पानी की समस्या से जूझ रहे है पहाड़िया ग्रामीण, डीसी के संज्ञान के बाद भी पीएचडी नहीं की चापाकल मरम्मत, शीर्षक दैनिक अखबार में खबर छपने के बाद खबर का असर 24 घंटे के अंदर हुआ. आपको बता दे की पिछले एक साल से खराब पड़े चापाकलों को रविवार 4 बजे तक पीएचडी विभाग द्वारा मरम्मत कर दिया गया. आपको बता दें कि पाकुड जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के सिंगारसी पंचायत के गौरपाड़ा में पहाड़िया ग्रामीणों के लिए पानी की समस्या बढ़ गई थी। ग्रामीणों ने बताया कि जिओ टावर के पास, बजरंगबली मंदिर के पीछे और वीरू पहाड़िया घर के पास इन तीन चापाकल पिछले 1 साल से खराब पड़ा हुआ था। ग्रामीणों ने कहा कि दैनिक अखबार के संवाददाता गांव पहुंचकर हम सबों की समस्या सुनकर अपने अखबार में खबर छापे और छापने के 24 घंटा के अंदर पीएचडी विभाग द्वारा यह तीनों चापाकल ठीक कराया गया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में गर्मी के दिनों में पानी की भारी समस्या खड़ी हो जाती है। क्योंकि गौरपाड़ा गांव पहाड़ में बसा हुआ है। आपको बता बता दें कि इस खबर को डीसी ने संज्ञान में लेते हुए तुरंत पीएचडी विभाग के वरीय अधिकारी को निर्देश दिया कि 24 घंटा के अंदर गांव का चापाकल ठीक किया जाए। डीसी के निर्देश पर पीएचडी विभाग के अधिकारी चापाकल मिस्त्री के साथ के चापाकल मरम्मत के लिए पहाड़िया गांव गौरपाड़ा पहुंचे और चापाकल ठीक कराया गया। ग्रामीणों ने सामाजिक कार्यकर्ता सुनील पहाड़िया, दैनिक अखबार के संवाददाता और जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया.

● क्या करते है कनीय अभियंता

वही इस संदर्भ में पीएचडी विभाग के कनीय अभियंता दिनेश मंडल ने बताया कि गौरपाड़ा के खराब पड़े तीनों चापाकल को ठीक कर दिया गया है।

● क्या करते है डीसी

गौरपाड़ा में तीन चापाकल खराब होने सुचना को संज्ञान में लिया गया और तीनों चापाकल की ठीक विभाग द्वारा कराया गया. पानी की समस्या ना हो इसको लेकर जिला प्रशासन तत्पर है- उपायुक्त वरुण रंजन

जल जंगल जमीन पहाड़ पर्व और संस्कृति के सुरक्षा और संरक्षण के लिए आदिवासी तैयार रहें: अजय हेंब्रम

आदिवासी प्रकृति पर्यावरण और वन संपदा के प्रहरी: डॉ रणजीत कुमार सिंह

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

साहेबगंज । बाहा सरहुल पर्व एवं संताली साहित्य दिवस साहिबगंज महाविद्यालय के नंदन भवन में धूमधाम से मनाया गया ।जिसमें कलाकार के द्वारा आदिवासी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अजय हेंब्रम विशिष्ठ अतिथि डॉ रणजीत कुमार सिंह प्राचार्य मॉडल कॉलेज राजमहल व मजदूर यूनिन के अनिल मुर्मू बोरियो विधायक प्रतिनिधि मनोज तांती ने संयुक्त रूप से शहीद वीर सिदो कान्हु मुर्मू के तेलीय चित्र पर माल्यार्पण ब अगरवती जला कर शुभारंभ किया गया। अतिथि का स्वागत आदिवासी संस्कृति लोटापानी से किया गया।अजय हेंब्रम ने अपने संबोधन में कहा कि जल जंगल जमीन पहाड़ पर हमारा हक और जीवन यापन का साधन है। छात्रों को कहा कि पढ़ाई के साथ अपनी संस्कृति पर्व त्यौहार और जमीन से जुडें रहें। अजय हेंब्रम ने संताली गीत गा कर सब का मन मोह लिया। वही बाहा सरहुल पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला सखुवा के फूल और फागुन के बारे में जानकारी दी।वही डॉ रणजीत कुमार सिंह ने कहा पर्व से हमारा प्रकृति पर्यावरण स्वस्थ हमें रखता है। कोरोना प्रोटोकाल का ध्यान रखें मास्क दूरी सफाई और स्वच्छता अपनाएं। देर शाम तक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। बड़ी संख्या में कॉलेज और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। मुख्य रूप से छात्र नेता छात्र नायक मनोहर टूडू, छात्र सचिव बाबूधन टुडू, मैरी बेसरा ,शर्मिला बास्की ,रानी मरांडी,मंच संचालन बिट्टू टुडू अजीत सोरेन विनय टुडू ने किया। बाहा सरहुल पर्व के नायकी संजू लाल चोड़े, संदीप मुर्मू ,मुंशी मरांडी,सीनियर अजय टुडू, मोहन हेंब्रम ,प्रेम मरांडी, सोनेलाल मुर्मू, चंदन श्याम उरांव आदि आदिवासी कल्याण बालक बालिका के छात्र छात्राओं उपस्थित थे।

पाकुड़ के गंधाईपुर गांव के तीस घर जलकर खाक, लाखों के सामान जले

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । मुफस्सिल थाना क्षेत्र के गंधाईपुर गांव में रविवार को दोपहर करीब 3 बजे आग ने तबाही मचा दी। अचानक लगी आग से कम से कम 30 से 40 घर जल गए। घटना में लाखों का सामान जलकर राख हो गया। पीड़ित परिवारों में सभी गरीब और मजदूर वर्ग के लोग शामिल हैं। घटना के बाद सभी पीड़ित परिवार सड़क पर आ गए हैं। घर में खाने का एक दाना तक नहीं बचा है। घरेलू सामानों में फर्नीचर, कपड़े और अनाज सहित तमाम चीजें जलकर नष्ट हो चुका है। एकाद परिवार ही अपने कुछ सामानों को बचा पाए हैं। आग लगने की वजहों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

ग्रामीणों ने बताया कि आग सबसे पहले सद्दाम शेख के घर के पास मवेशी के लिए रखे चारा में लगी थी। यहां से आग सद्दाम शेख के घर में चली गई। फिर आग ने एक के बाद एक घर को आगोश में लेना शुरू कर दिया। देखते ही देखते 30 से 40 घर आग की जद में आ गया। आग की लपटें काफी तेज थी। जिस वजह से आग पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था। घटना की खबर मिलते ही ग्रामीणों का पहुंचाना शुरू हो गया। लोग आग को बुझाने में जुट गए। अग्निशमन विभाग की टीम वाहन के साथ पहुंची थी। मुफस्सिल थाना प्रभारी मिंटू कुमार भारती दल बल के साथ पहुंचे थे। थाना प्रभारी और अग्निशमन विभाग के सूझबूझ से आग पर काबू पाया गया। वहीं ग्रामीणों ने आग को बुझाने में काफी मशक्कत की। आग पर पूरी तरह काबू पाने में तकरीबन डेढ़ घंटे लग गए।

● सीओ ने लिया जायजा

घटना की सूचना मिलते ही अंचल अधिकारी आलोक वरण केसरी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का जायजा लिया। पीड़ित परिवारों से नुकसान की जानकारी ली। पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने का आश्वासन दिया।

एक ही दिन में दो बाइकों की चोरी से सनसनी, पुलिस प्रशासन पर उठे सवाल

दुमका। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। रामगढ़ बाजार से एक ही दिन में दो बाइकों की चोरी से सनसनी फैल गई है।दोनों बाइकों के चोरी की घटना लगभग डेढ़ घन्टे के अन्तराल पर हुई है।बाइक चोरी की पहली घटना रामगढ-हंसडीहा मुख्य मार्ग में प्रखंड कार्यालय के निकट अवस्थित नेहरू पार्क के के पास घटी।नेहरू पार्क के बगल में अरूण ठाकुर का क्लीनिक है।राजाबान्ध गाँव का पंकज राउत अरूण ठाकुर के क्लीनिक में काम करता है।दोपहर के लगभग ढाई बजे रोज की तरह घर से खाना खाकर आने के बाद नेहरू पार्क के पास अपनी जेब एच 04 एन नम्बर की लाल रंग की हीरो स्पेलेन्डर प्लस बाइक को खड़ी करने के बाद पंकज राउत क्लीनिक के भीतर चला गया।पंकज के अनुसार उसने रोज की तरह बाइक का हैन्डिल लॉक कर दिया था।लगभग तीन बजे जब वो क्लीनिक से बाहर निकला तो उसकी बाइक गायब थी।बाइक चोरी की दूसरी घटना रामगढ़-दुमका मार्ग पर स्थित डाकघर के पास की है.रामगढ़ प्रखंड के अमड़ा पहाड़ी पंचायत के पचुआ टीकर निवासी छेबु दास डाकघर के पास अपनी नीले रंग की जे एच 04 एस 5915 नम्बर की होन्डा एस पी साइन बाइक को शाम के लगभग चार बजे डाकघर के पास लगाकर सब्जी इत्यादि खरीदने चले गए।पेशे से शिक्षक छेबू दास गोड्डा जिले में पदस्थापित हैं।रविवार को रामगढ़ में हाट लगती है. छेबु दास के अनुसार उन्होंने भी अपनी बाइक का हैंडिल लॉक कर दिया था।लेकिन सब्जी खरीद कर जब वे लगभग एक घंटे बाद लौटे तो उनकी बाइक भी गायब थी।हैंडिल लॉक होने के बावजूद एक ही दिन में रामगढ़ से दो बाइकों की चोरी हो जाने से लोगों में सनसनी फैल गई है।दोनों ही बाइक मालिकों ने बाइक चोरी की घटना की लिखित सूचना रामगढ़ थाने में दे दी है। बहरहाल एक ही दिन में बाइकों की चोरी से प्रशासन पर भी सवाल उठने लगे हैं। इधर थाना प्रभारी ने कहा कि दो व्यक्तियों द्वारा बाइक चोरी होने की सूचना दी गई है।मामले की जांच की जा रही हैं।अपराधियों का शीघ्र पता लगा लिया जाएगा।

वन विभाग संघ का सम्मेलन एवं चुनाव सम्पन्न

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । झारखंड राज्य वन अराजपत्रित कर्मचारी संघ जिला शाखा दुमका का जिला सम्मेलन / निर्वाचन झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ दुमका के नेतृत्व में वन विभाग परिसर में संपन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य महासंघ के मुख्य संरक्षक तारणी प्रसाद कामत, जिला महासंघ के मुख्य संरक्षक शशिशेखर अम्बष्ठ, जिला सचिव राजीव नयन तिवारी, जिला अध्यक्ष प्राण मोहन मुर्मू इत्यादि ने दीप प्रज्वलित कर किया। राजीव नयन तिवारी ने कहा कि लम्बे अन्तराल के उपरांत आज वन विभाग संघ का सम्मेलन/चुनाव हर्ष उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ है। वे लोग जो संघ/ महासंघ से दूरी बनाकर रखते वे भी याद रक्खें कि संघ/ महासंघ है तो हम सब हैं। पेंशन, अनुकम्पा, वेतनादि सब महासंघ की देन है। तारणी प्रसाद कामत ने कहा कि कर्मियों की बहाली नहीं हो रही है, कार्यालयों में कम कर्मी बचे हैं, वे कार्यभारित हैं। महासंघ लगातार सरकार से नियमित कर्मी के बहाली की माँग कर रही है। शशिशेखर अम्बष्ठ ने कहा कि पूँजीवाद और साम्यवाद के अन्तर को समझना होगा। इस अवसर पर महासंघ के उपाध्यक्ष तपन कुमार ठाकुर, संयुक्त सचिव सेराजुल हसन, शिक्षा संघ के सचिव विनोद कुमार, उपाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव इत्यादि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्राण मोहन मुर्मू ने किया।

लुत्फल हक ने गाजी नगर में एक हजार एक सौ गरीबों में बांटे रमज़ान किट

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)।

पाकुड़ । जिस भी व्यक्ति के अंदर संवेदनाएं जीवित है वह व्यक्ति चाहे गरीब हो या अमीर सबकी भावनाओं, दर्द, दुख सभी को समझ लेता है। महत्वपूर्ण बात गरीब अमीर होना नहीं बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि उस व्यक्ति के अंदर कितनी ज्यादा दया भावना मौजूद है।एक गरीब व्यक्ति भी दयाहीन होने पर गरीब का दर्द कभी भी नहीं समझ पाएगा।क्योंकि उसकी आत्मा आंतरिक रूप से मर चुकी होती है।उसी प्रकार अमीर होने पर बहुत सारे लोग जिनके अंदर दूसरों के दुख,दर्द को महसूस करने की क्षमता है,जिनकी आत्मा परोपकार और दयाभावना से भरी है वह लोग गरीबों का दर्द ज्यादा अच्छे समझते हैं। एक गरीबी और भुखमरी के मारे हुए जब व्यक्ति अमीर बनता है और वे अपने अतीत को नही भूल पाते है तो वे हैं, पाकुड़ के दानवीर समाजसेवी लुत्फल हक है।लुत्फल हक ने पश्चिम बंगाल के गाजीनगर स्थित मदरसा फैजुल उलूम में रविवार को लगभग एक हजार एक सौ गरीबों के बीच रमजान किट का वितरण किया गया। रमजान किट में चावल, दाल,सरसो तेल, पियाज, आलू, सेवई,साड़ी,लुंगी सहित अन्य सामान दिए गए।हजारों लोग कड़ी धूप में समाजसेवी लुत्फल हक का दीदार करने के लिए खड़े थे।पूरे इलाके में चर्चा आम है कि आखिर गरीबों के मसीहा है कौन है? जो बिना कोई स्वार्थ के गरीबों को अपना साथी बनाया है। लुत्फल हक कहते हैं मेरे पास बोलने के लिए कोई शब्द नही है।क्योंकि मैं आपके तरह एक गरीब इंसान था,दो-दो रोटी के लिए मोहताज था।लेकिन गरीबों की दुआ की वजह से मैं आपलोगों को दान दे रहा हूँ,और अल्लाह अगर चाहे तो आगे भी दान देता रहूंगा।उन्होंने कहा रमज़ान को देखते हुए जाति धर्म से ऊपर उठकर रमज़ान किट दी जा रही है ताकि आपलोग बेहतर से ईद मनाएं। वे कहते हैं कद ऊंचा तो कर लिया,ऊंचे रखो विचार, दान धर्म जो ना किया, जीवन है बेकार!कार्यक्रम में जंगीपुर कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्त रबीउल आलम, फरक्का थाना प्रभारी देवब्रत चक्रवर्ती,शमसेर गंज थाना प्रभारी बिजन रॉय, फरक्का समाजसेवी हाजिकुल आलम, लायन्स क्लब पाकुड़ के अध्यक्ष मंजीत लाल,निर्मल टेबड़ीवाल, पंकज भगत उर्फ बंटी, वरिष्ठ पत्रकार मकसूद आलम, अली अहसान बापी आदि मौजूद थे।उल्लेखनीय है कि लुत्फल हक द्वारा फरक्का और समशेरगंज के आधा दर्जन स्थानों में हजारों लोगों के बीच कम्बल,साड़ी, लुंगी,धोती,सूखा राशन सहित काफी समान वितरण कर चुके हैं।यहां तक कि एक ही मंच पर पंडित और मौलवी को बुलाकर सम्मान किया गया।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर होम्योपैथी के जनक डॉ हेनिमेन की जंयती मनाई गई

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

दुमका । होम्योपैथी के जनक डॉक्टर हेनीमेन की जंयती दुमका में रविवार को टाटा शोरूम स्थित डॉक्टर चयन कुमार राय के क्लिनिक में आयोजित किया गया।मौके पर मुख्य अतिथि झामुमो के महासचिव एंव नगर परिषद दुमका के चैयरमैन श्वेता झा सहित शहर के कई प्रसिद्ध डॉक्टर और गणमान्य लोग उपस्थित थे।झामुमो के महासचिव विजय सिंह ने दीप प्रज्वलित कर डॉक्टर सामवेल हेनीमेन की जन्मदिन के पर बोलते हुए अपने संबोधन में कहा कि होम्योपैथी चिकित्सा एक ऐसी चिकित्सा है जो रोगों को जड़ से समाप्त कर देता है।यही वजह है कि लोग आज भी होम्योपैथी पर विश्वास करते हैं।सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें एलोपैथी के तरह कोई साइड इफेक्ट नहीं के बराबर है।और सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह पुराने से भी पुराने रोगों को जड़ खत्म कर देता है।वहीं नगर परिषद के अध्यक्षा श्वेता झा ने भी होम्योपैथी चिकित्सा को कारगर बताते हुए इसके फायदे के बारे में बतायी साथ ही होम्योपैथी के जनक को याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सूमन अर्पित करते सभी को चिकित्सकों को इसे और बढ़ाने की वकालत की।वही दुमका के जाने माने होम्योपैथी के चिकित्सक डॉक्टर चयन कुमार राय ने दुमका जैसे छोटे शहरों में होम्योपैथी की चिकित्सा को स्थापित करने में अपने पिता एवं भाई डॉक्टर नयन कुमार के योगदानों की चर्चा करते हुए डॉक्टर हेनीमेन को श्रद्धा सूमन अर्पित करते हुए अपनी प्ररेणा का श्रोत बताया।इस मौके पर शहर कई प्रसिद्ध होम्योपैथी चिकित्सक डॉ अतेनंद ,डॉ शुभम राय ,डॉ अर्जुन ,डॉ कुनाल किशोर डॉक्टर आशीष रंजन आदि ने भी हेनीमेन की याद में अपने अपने विचार व्यक्त किए।इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

संक्षिप्त समाचार

शांति आश्रम पब्लिक स्कूल नापोखुर्द में शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन

बड़कागांव । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । प्रखंड अंतर्गत नापो खुर्द पंचायत स्थित शांति आश्रम पब्लिक स्कूल में शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन रविवार को शांति आश्रम पब्लिक स्कूल नापो खुर्द एवं शती स्कूल के शिक्षकों एवं अभिभावको बीच वैचारिक मीटिंग रखी गई। जिसमें नापो खुर्द ,नापोकला, डोकाटांड से आए अभिभावक सभी अपने अपने विचार व्यक्त किए। मीटिंग में पंचायत के मुखिया गणेश साव , पूर्व मुखिया प्रतिनिधि चंद्रिकासाव पंचायत समिति सदस्य गणेश साव,समेत अनेकों प्रबुद्ध व्यक्तियों में शिक्षकों एवं अभिभावकों को सलाह एवं विचार दृष्टि विद्यालय के प्रधानाध्यापक कुलेश्वर साहू जी के द्वारा पूरे विद्यालय में सर्वाधिक अंक लाने वाले छात्र-छात्राओं में प्रथम पलवी कुमारी पिता गणेश साव, द्वितीय पुरस्कार आनंद कुमार पिता गणेश साव, तृतीय पुरस्कार संध्या कुमारी पिता लोकनाथ साहू, को सम्मानित किया गया इसके अलावा सर्वाधिक उपस्थित छात्र-छात्राओं में प्रथम पुरस्कार अनशिका कुमारी पिता अनिल शाह, द्वितीय पुत्र सचिन कुमार पिता लोकनाथ साहू, एवं तृतीय पुरस्कार निशा कुमारी पिता को सम्मानित का सभा को की गई।

नेताजी स्पोर्टिंग क्लब ने एशियन जलान हॉस्पिटल को हराया

निरसा । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । मुगमा प्रभात स्टेडियम में रविवार को नेताजी स्पोर्टिंग क्लब वेटरन टीम और एशियन जालान हॉस्पिटल धनबाद की टीम के बीच टी--20 मैच खेला गया। नेताजी वेटरन टीम ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट खोकर 166 रन बनाये। भानू प्रताप सिंह ने 69 और धर्मेंद्र कुमार ने नाबाद 43 रन बनाए। आनंदी चौहान ने 18 रन और राकेश ने 12 रन का योगदान दिया। एशियन जालान हास्पिटल टीम की ओर से गणेश और सोनू ने दो--दो विकेट लिये। जवाब में हास्पिटल की टीम 20 ओवर में सात विकेट खोकर 152 रन ही बना सकी और 14 रन से मैच हार गयी। जिसमें आनंद ने 32 रन, सोनू ने 24 रन और आसिफ ने 23 रन बनाये। नेताजी स्पोटिंग की ओर से रजनीकांत ने 3 विकेट धर्मेंद्र कुमार ने 2 विकेट दिनेंद्र व सुनील कुमार सिंह ने 1--1 विकेट लिये। भानू प्रताप सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। एशियन जालान के सोनू कुमार को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। अंपायर की भूमिका में मनोरंजन कांजीलाल और पप्पू कुमार थे। नेताजी स्पोटिंग वेटरन टीम की जीत पर अरूप चटर्जी, सुनील कुमार सिंह, अवधेश सिंह, संजय मिश्रा, धर्मेंद्र कुमार, वेणु गोपाल और क्लब से जुड़े सभी सदस्यों ने बधाई दी।

टोटो और ऑटो चालकों को ट्रैफिक रूल सिखाएगा माले : राजेश सिन्हा

गिरिडीह। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । शहरी क्षेत्रों में टोटो और ऑटो बहुत अधिक संख्या में चलते हैं।लेकिन नियम से परिचालन नही किए जाने के कारण शहर का ट्रेफिक जाम होता है,इसको लेकर डीटीओ विभाग,ट्रेफिक विभाग एलर्ट है। किंतु बहुत हद तक जाम जारी है,इस सिलसिले को बारीकी से देख रहा है माले। उक्त बातें कहते हुए माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि माले का मोटरकामगार यूनियन से जुड़े ऑटो और टोटो चालक का ट्रेफिक नियम को बतलाने के लिए वर्कशॉप आयोजित किया जाएगा। माले नेता ने कहा लगभग चार हजार टोटो और ऑटो है शहर में, नियम से कैसे चला जाय इसपर वर्कशॉप करेंगे,वर्कशॉप में बड़े बड़े अधिकारी और ट्रेफिक इंचार्ज को भी आमंत्रित किया जायेगा। इसकी तैयारी पूरी की जा रही है, नियम से चलने वाले समझ बूझ रखने वाले ऑटो टोटो चालक को समझाया जा रहा है जगह जगह बैठके की जा रही है।

कहा कि टोटो और ऑटो वाले पर लगातार कहर बरसाया जाता है, कभी नगरनिगम के द्वारा तो कभी डीटीओ तो कभी ट्रेफिक प्रशासन के द्वारा इसकी जड़ में जायेगा माले, वैसे तो कई सरकारी विभाग की गाड़ी के रजिस्ट्रेशन फेल है,प्रदूषण, फिटनेश भी फेल है, बीमा भी फेल है किंतु कहर आम लोग पर बरसता रहता है, इसपर भी विचार कर डीटीओ ऑफिस में लेटर दिया जाएगा।

इस विषय को कल टोटो चालक और ट्रेफिक इंचार्ज को भी सूचित किया गया है,जल्द शहर को शहर के लोग ट्रैफिक के कुछ नियम का इजाद करने आयेंगे।सिन्हा ने कहा कि ग्रामीण इलाके और शहरी इलाके से आने वाले हेलमेट का इस्तमाल करें, यह ध्यान रखना जरूरी है।

रात में प्रेमिका से मिलने पहुंचा प्रेमी, ग्रामीणों ने युगल जोड़ी की मंदिर में कराई शादी

● पूछताछ करने पर प्रेम प्रसंग की बात किया स्वीकार

बेरमो । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । नावाडीह प्रखंड के नारायणपुर हरि मंदिर में ग्रामीणों ने एक प्रेमी युगल की शादी करा दी. पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के लहिया ग्राम निवासी एक युवक प्रकाश कुमार महतो और नारायणपुर गांव की युवती रीता कुमारी के बीच प्रेम प्रसंग काफी दिनों से चल रहा था. दोनों एक दूसरे से छिपछिप कर मिला करते थे. 8 अप्रैल की रात प्रेमी प्रकाश कुमार प्रेमिका से मिलने उसके घर नारायणपुर गांव पहुंच गया. गांव में अजनबी युवक को देख ग्रामीणों ने पूछताछ शुरू की. शुरुआत में युवक ने बहाना बनाया, लेकिन ग्रामीणों ने कड़ाई से पूछताछ की तो वह सच उगल दिया. उसने स्वीकार किया कि युवती के साथ उसका प्रेम प्रंसग काफी दिनों से चल रहा है। यह खबर आग की तरह पूरे गांव में फैल गई. बडी संख्या में ग्रामीण वहां जमा हो गए. दोनों के परिजनों को सूचना दी गई. प्रेमी युवक के पिता डेगलाल महतो महाराष्ट्र के पुणे काम करता है. दोनों के परिजनों की सहमति पर 9 अप्रैल की सुबह प्रेमी जोड़े की शादी नारायणपुर गांव स्थित हरि मंदिर में करा दी गई. मौके पर पंसस कालेश्वर महतो, पूर्व मुखिया भेखालाल महतो, वार्ड सदस्य फूलचंद महतो, समाज सेवी प्रयाग महतो, लुकेश महतो, देवेन्द्र महतो, महेश कुमार, कपिल प्रसाद , टेकोचंद महतो, महादेव महतो, बहादुर महतो समेत गांव की महिला व पुरुष मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

स्व जगरनाथ महतो की पत्नी को कैबिनेट में जगह की मांग

डुमरी। झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन को अनुमंडल अधिवक्ता संघ डुमरी के अध्यक्ष इंद्रजीत कुमार जायसवाल ने डुमरी के लिए अपूरणीय क्षति बताया है,उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से स्वर्गीय मंत्री के सपनों को पूरा करने का अनुरोध किया है।स्वर्गीय मंत्री ने चुनाव के दौरान लोगों को कहा था कि चुनाव जीतने के बाद वें डुमरी को जिला बनवाएंगे लेकिन दुर्भाग्य से कोरोना ग्रसित होने के कारण ऐसा नहीं हो पाया।श्री जयसवाल ने मुख्यमंत्री से स्वर्गीय मंत्री की पत्नी को झारखंड कैबिनेट में जगह दिये जाने तथा संभावित डुमरी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में उन्हें झामुमो का प्रत्याशी बनाने की मांग की है ताकि स्वर्गीय मंत्री के अधूरे कार्यों को वें पूरा कर सके।

श्री श्री 1008 गायत्री महायज्ञ की जल यात्रा

डुमरी। डुमरी विधानसभा अंतर्गत कुड़पनिया खरपिटो में आयोजित श्री श्री 1008 गायत्री महायज्ञ की जल यात्रा में रविवार को स्थानीय सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी गोमिया विधायक डॉ लम्बोदर महतो डुमरी अनुमंडल सांसद प्रतिनिधि छक्कन महतो विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी जिप सदस्य बैजनाथ महतो, टिकैत महतो, पंसस शंभुनाथ महतो, रेवतलाल पंडित, पप्पू कुमार, खेमलाल कुमार,मोहन महतो आदि सहित सैकड़ों गायत्री परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनेगी

डुमरी। झारखंड मूल निवासी परिसंघ डुमरी के प्रखंड अध्यक्ष जगदीश रजक ने एसडीएम डुमरी एवं डुमरी व निमियाघाट थाना प्रभारी को आवेदन देकर बताया है कि झारखंड मूल निवासी परिसंघ डुमरी के सदस्यों अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति एवं ओबीसी के द्वारा 14 अप्रैल को करिहारी पहाड़ी की तलहटी स्थित सरना धर्म स्थल के सामने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाया जाएगा।जयंती मनाने के पूर्व रेलवे गेट से एक जुलूस जिसमें ढोल नगाड़ा के साथ निकाला जाएगा, जो इसरी रेलवे गेट से इसरी बाजार होते हुए डुमरी अनुमंडल तक जाएगा।

यूपीएस पहरीधार का चापाकल खराब

डुमरी । युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष गंगाधर महतो ने शनिवार को उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय पहरीधार लक्ष्मणटुंडा का अवलोकन किया, इस दौरान पाया कि विधालय में पानी की गंभीर समस्या है। विद्यालय का चापाकल खराब रहने से बच्चों को पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ता है। इस दौरान विद्यालय शिक्षक ने युवा कांग्रेस नेता को बताया कि इस समस्या को लेकर जेई को पंद्रह दिन पहले ही दुरभाष के माध्यम से जानकारी दी गई थी अबतक कोई पहल नहीं हुआ है। युवा कांग्रेस नेता ने बताया कि वह इस संबंध में क्षेत्र के मुखिया सहित अन्य अधिकारी को जानकारी देकर इस समस्या का समाधान कराने का प्रयास करेंगे। इस दौरान खुशी्द अंसरी, डेगलाल महतो, प्रकाश महतो सहायक अध्यापक संतोष पंडित कैलाश रविदास आदि उपस्थित थे।

जीतकुंडी में दी जगरनाथ महतो को श्रद्धांजलि

डुमरी। झारखंड के शिक्षा मंत्री सह दिवंगत स्थानीय विधायक जगरनाथ महतो को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए रविवार को जीतकुंडी में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित
लोगों ने दिवंगत जगरनाथ महतो के चित्र पर पुष्प अर्पण कर अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किया। साथ ही उनकी आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण किया। इस दौरान पंचायत के उपमुखिया मुकेश दास, नन्दलाल शर्मा,यमुना महतो, बबलूरजक,रामप्रसाद दास, नन्दलाल दास,जयप्रकाश दास, धानेश्वर दास, भुनेश्वर दास,मनोज यादव,संतोष मोदी, कामेश्वर मंडल, प्रयाग मंडल,रविलाल सोरेन,मथुरा सोरेन, रामलालहेंब्रम, सुरीलालहेंब्रम,जनार्धनमंडल,महादेव हेंब्रम, भोला यादव,वाहिद अंसारी,घनश्याम मंडल,दिलीप मंडल,गोपाल विश्वकर्मा, गोविंद मंडल उपस्थित थे।

अमलो लोकल सेल कमेटी ने पूर्व मंत्री जगन्नाथ महतो को दी श्रद्धांजलि

बेरमो। अमलो लोकल सेल कमेटी ने पूर्व मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर कार्यालय में रविवार को शोक सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। यहां 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया गया। कमेटी के अध्यक्ष दिलीप कुमार और सचिव संतोष सिंह ने कहा कि झारखंड ने अपना एक महान आंदोलनकारी, जुझारू कर्मठ और जनप्रिय नेता खो दिया है। कहा कि जगरनाथ दादा अभिभावक थे। सुख दुख में हमेशा वो साथ खड़े रहे। राज्य की अपूर्णीय क्षति के साथ-साथ उनके लिए व्यक्तिगत नुकसान भी है। कहा कि जगरनाथ महतो गांव और ग्रामीणों की आवाज़ थे। गांव की समस्या और झारखंड के लोगों के ह×क व अधिकार के लिए विधानसभा में हमेशा मुखर होकर अपनी बात रखी। राज्य की जनता ने एक बहादुर नेता को खो दिया। कहा कि जगरनाथ महतो हमेशा झारखंडवासियों के हित के लिए संघर्ष किया। कहा कि झारखंड ने अपना एक महान आंदोलनकारी, जुझारू कर्मठ और जनप्रिय नेता खो दिया है। इस अवसर पर सत्यनारायण महतो, विश्वनाथ सिंह, मनोज सिंह, भागीरथ पांडेय, सरजू केवट, जागेश्वर महतो, राजेंद्र महतो, जानकी महतो, विजय टुडू, बिजली देवी, सोमारी देवी, सरोजनी देवी, धनेश विश्वकर्मा, महेश राम, बिरजू चौहान, रामदेव पासवान, कपिल पासवान, टिंकू महतो आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

उपायुक्त ने बिलखती बुजुर्ग महिला को पहुँचाया सरस कुंज

स्वास्थ्य जांच के साथ आवश्यक सुविधा मुहैया कराने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

देवघर ।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री को मिली सूचना पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कचहरी परिसर में बिलखती हुई बुजुर्ग महिला से मुलाकात कर उनका हाल चाल जाना। इस दौरान बातचीत के क्रम में बुजुर्ग महिला ने बातया की उनका घर झारखंडी पंचायत अन्तर्ग पड़ता है, जिसके पश्चात उपायुक्त ने बुजुर्ग महिला को अपने साथ सरस कुंज केंद्र ले गए। जहाँ उनके बेहतर आवासन और भोजन की व्यवस्था की गई।
इसके अलावे उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजंत्री ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को निर्देशित किया कि बुजुर्ग महिला की स्वास्थ जांच एवं उनके रहने, भोजन व कपड़े के व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।आगे उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी देवघर के माध्यम से देवघर टाउन थाना प्रभारी और मोहनपुर थाना प्रभारी को निर्देषित किया कि बुजुर्ग महिला के परिजनों को ढूंढते हुए इसकी सूचना उन्हें उपलब्ध कराए। साथ ही उपायुक्त ने सरस कुंज के कर्मियों को निर्देशित की बुजुर्ग महिला एवं सरस कुंज में रहने वाले बुजुर्गों व बच्चों का विशेष रूप से ध्यान रखें, ताकि यहाँ रहने वाले लोगों को किसी प्रकार की समस्या न हो।वहीं उपायूक्त के इस नेकी की चर्चा पूरे जिलावासी कर रहें हैं और यह कहते नहीं थक रहें हैं पहली बार कोई ऐसा सहृदयी उपायूक्त जिला को मिला है जो नीचे तबके के एक व्यक्ति की भलाई के लिए सोचते हैं और करते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र के लोग करते हैं कार्यक्रम का इंतज़ार

- **प्रत्येक सोमवार की तरह इस सोमवार भी होगा टॉक टू डीसी कार्यक्रम**

देवघर । उपायूक्त मंजुनाथ भजंत्री के द्वारा जन हित में चर्चित कार्यक्रम टॉक टू डीसी प्रत्येक सोमवार की तरह इस सोमवार 10 तारीख को भी किया जाएगा।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन पूर्व की तरह पूर्वाह्न 11:00 बजे से किया जाएगा। इसके अलावे कार्यक्रम से जुड़ने हेतु जिलावासी अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्रों के माध्यम से अपने समस्याओं व सुझावों को उपायुक्त के समक्ष रख सकते हैं।साथ ही ज्यादा से ज्यादा लोगों के समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से जेएसएलपीएस, कलस्टर लेवल फेडरेशन और विलेज ऑर्गनाइजेशन के माध्यम से भी लोग टॉक टू डीसी से जुड़ सकते हैं। ज्ञात हो कि प्रत्येक सोमवार को टॉक टू डीसी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है,ताकि आम व्यक्ति अपनी समस्याओं एवं सुझावों को प्रज्ञा केंद्रों के माध्यम से जिला प्रशासन के समक्ष रख सके। खासकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की माने तो वे अब इस कार्यक्रम का बेसब्री से इंतजार भी करते हैं और अन्य लोगों को भी इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

पीएन इंटर कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य ने अधिकारियों से लगाई गुहार

डुमरी।

पारसनाथ इंटर कॉलेज इसरी बाजार के प्रभारी प्राचार्य कृष्ण कुमार पांडेय ने उपायुक्त गिरिडीह,डुमरी एसडीएम व डीईओ को पत्र प्रेषित कर कॉलेज शासी निकाय के सचिव सहित कतिपय कॉलेज कर्मियों पर महाविद्यालय कार्यालय में कार्य सम्पादन करने में व्यवधान उत्पन्न करने की लिखित शिकायत किया है।
साथ ही अधिकारियों से कॉलेज की संचालन व्यवस्था सुचारू एवं नियमसंगत रूप से चलाने के लिए उचित कार्रवाई की अपील की है। पत्र में प्रभारी प्राचार्य कृष्ण कुमार पांडेय ने लिखा है कि निवर्तमान प्राचार्य गौरी शंकर पांडेय ने 31 मार्च 2023 को सेवानिवृत्त होने के पूर्व डीईओ से मार्गदर्शन मांगा था कि कॉलेज में प्रथम वरीय व्याख्याता अलाउद्दीन अंसारी हैं। जिनकी शैक्षिक योग्यता स्नाकोत्तर है। वहीं दूसरे वरीय व्याख्याता कृष्ण
कुमार पांडेय हैं, जिनकी शैक्षिक योग्यता एमए बीएड हैं। जिसमें किन्हें प्रभार दिया जाये जिस पर डीईओ ने तत्कालीन कॉलेज प्राचार्य को यह निर्देश दिया था कि इंटर कॉलेज के प्राचार्य होने के लिए न्यूनतम योग्यता
स्नाकोत्तर प्रशिक्षित होना आवश्यक है। इसलिए कृष्ण कुमार पांडेय को प्रभारी प्राचार्य का प्रभार दिया जाये जो शासी निकाय की बैठक में स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति होने तक प्रभावी रहेगा।लिखा है कि डीईओ से मिले मार्गदर्शन के अनुसार गौरीशंकर पांडेय जी ने मुझे (केके पांडेय) प्रभारी प्राचार्य का प्रभार दिया, पर जब मैं 1 अप्रैल 2023 को महाविद्यालय कार्यालय में गया तो कॉलेज के प्रधान लिपिक विजय शंकर प्रसाद ने मुझे प्रभारी प्राचार्य का कार्य करने से रोकते हुए यह बताया कि सचिव ने अलाउद्दीन अंसारी को प्रभारी प्राचार्य बनाया है।

लिखा है कि सचिव शंकर प्रसाद सिंह के बहकावे में आकर प्रधान लिपिक व कतिपय अन्य कर्मी कॉलेज को मनमाने तरीके से संचालित करना चाहते हैं जो न्यायोचित नहीं है क्योंकि इससे कॉलेज के छात्र छात्राओं को कार्यालय संबंधी कार्य में परेशानी हो रही है।लिखा है कि आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार अलाउद्दीन अंसारी वर्ष 2010 से 2015 तक नावाडीह उपप्रमुख के पद पर रह चुके हैं जबकि इंटर कॉलेज के किसी भी कर्मी को इस्तीफा दिये बगैर ना तो चुनाव लड़ने का अधिकार होता है और ना हीं ऐसे पद पर निर्वाचित होने का अधिकार है।

ग्रामीण सड़क निर्माण कार्य में हो रही बड़ी गड़बड़ी

» सड़क निर्माण व मरम्मत कार्य में जनता के टैक्स के पैसों का हो रहा है बंदरबांट।

» क्या चल रहा है गांवो के विकास में लगे सड़क निर्माण कार्य मैं कमीशन का खेल।

बेरमो । देखें किस तरह से गांव के विकास में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में की जा रही अनदेखी जिससे सड़क मरम्मतती के कार्य की पोल खोल कर रख दी है 4 दिन पहले बने यह सड़क किस तरह से उखड़ना भी शुरू कर दी है अभी पहली बरसात बाकी है और यह सड़क उखड़ कर ग्रामीणों के हाथों में रेत की तरह भरभरा रही है ऐसे में यह सड़क कब तक टिक पाएगी इसका अंदाजा इस तस्वीर में देखकर सहज ही लगाया जा सकता है यह सड़क चास प्रखंड के करहरिया पंचायत को जोड़ने वाली नरकेरा , चिरुतांड से धरमपुरा गांव के विकास के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना मद द्वारा स्वीकृत 8 किलोमीटर मरमति के कार्य संवेदको द्वारा किया गया है जिसकी अनियमितता की पोल यह सड़क ने खुद ही खोल कर रख दी है इसके लिए ग्रामीणों ने सीधे-सीधे आरोप संवेदको के ऊपर लगाया है आपको बता दें कि इस सड़क मरम्मत के कार्य का शिलान्यास 19, 11, 2022 को धनबाद सांसद पशुपति नाथ सिंह के कर कमलों के द्वारा बोकारो विधायक बिरंची नारायण के उपस्थिति में संपन्न हुई थी ग्रामीणों ने इस कार्य में हो रही गड़बड़ी की शिकायत जिले के अधिकारियों और स्थानीय विधायक से भी की है मगर अभी तक किसी तरह का निरीक्षण नहीं किए जाने से यहां के ग्रामीण आक्रोशित है।

तुरी समाज ने मनाया दो दिवसीय चिंतन शिविर

बेरमो।

फुसरो स्थित डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद स्मृति भवन में तुरी समाज ने चिंतन शिविर शुरू बाबा साहेब,राज कुमार तुरी व छोटू तुरी को पुष्प अर्जित कर की सभा की। अध्यक्षता नंदकिशोर तुरी ने कहा की हमे बाबा के दिखाए हुए पर चलने की जरूरत है वा समाज को एकसाथ हरेक परस्थिति में रहना होगा। शिविर में राज्य के सभी कोने से समाज के लोग जुड़े। यहां पर श्रीकांत तुरी, रामचरण तुरी,हरिप्रसाद तुरी,जीवलाल तुरी ,मोतीलाल मृद्धा, तपेंद्र तुरी,गोविंद तुरी, रौशन तुरी,ब्रजमोहन तुरी ,दिलीप तुरी, मधुसदान तुरी,लालमोहन तुरी सुभाष तुरी सहित तुरी समाज के कई लोग मौजूद रहे।

पिता कि मृत्यू देख सदमे में आकर बेटे ने कर ली आत्म हत्या

बेरमो । बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र अंतर्गत राजा बाजार में पिता की मौत के सदमे से आहत होकर छोटे पुत्र 29 वर्षीय कुंदन कुमार रजवार ने घर के अंदर गले में गमछा बांध पंखे में झूल कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया ।सुबह ज़ब घर के लोग बगल के कमरे में गये तो देखा की पंखे के सहारे उसका शव झूल रहा है, एक तरफ पिता का शव दूसरी तरफ छोटे बेटे का शव देखकर घर में कोहराम मच गया। अचानक घटी इस दोहरी घटना से पुरे मोहल्ले में शोक की लहर दौर गई ।मिली जानकारी के अनुसार मृतक के पिता कुछ वर्ष पहले लकवा से ग्रसित हो गया था, जिनका ईलाज रांची के अपोलो में चल रहा था, बीती रात्रि सही अवस्था में उन्हें रांची से अपने घर बोकारो थर्मल लाया जा रहा था, लाने के क्रम में उनकी स्थिति अचानक खराब होने लगी, ये देख परिजन बगल के डीवीसी बोकारो थर्मल अस्पताल लें गये जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, ये सदमा आठ भाई बहन में सबसे छोटे बेटा कुंदन सहन नहीं कर पाया और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।
दूसरी ओर घटना की सुचना पाकर स्थानीय थाना के सब इंस्पेक्टर बिक्रांत मुंडा, ए एस आई, प्रेम मोहन झा,दल बल के साथ घटना स्थल पहुंच कर पंखे से शव को उतरवा कर पंचनामा बनाकर पोस्ट मार्टम के लिए तेनुघाट भेज दिया। वहीं मोहल्ले के लोग भारी मन से पिता वा पुत्र के अर्थी को कांधा दे कर कोनार नदी में अंतिम संस्कार कर दी।

जरीडीह बाजार केबीएम किड्स गार्डन स्कूल का 17 वां वार्षिक उत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया

नन्हे नन्हे बच्चे एवं बच्चियों ने अपने कला का प्रदर्शन कर समाज को कई संदेश दिए

बेरमो ।

जरीडीह बाजार - बेरमो के जरीडीह बाजार स्थित केबीएम किड्स गार्डन स्कूल ने बीते रात्रि अपना 17 वां वार्षिक उत्सव बडे ही धूम धाम से मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर किया गया ।वार्षिक उत्सव में नन्हे नन्हे स्कूल के बच्चे एवं बच्चियों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को यादगार बनाया। कार्यक्रम को देख वहां मौजूद दर्शक वाह-वाह करने पर मजबूर हो गए। कार्यक्रम में प्रतिभाशाली बच्चों को स्कूल प्रबंधन के द्वारा पुरस्कृत कर हौसला अफजाई किया गया । कार्यक्रम मे मौजूद अतिथियों के हाथों बच्चों को शील्ड ,मेडल और प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम में बच्चों के अभिभावक सहित क्षेत्र के कई गणमान्य मौजूद थे। वहीं आए हुए अतिथियों को स्कूल के डायरेक्टर परेश शाह ने शॉल ओढ़ाकर और बुके देकर सम्मानित किया, ।कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा अच्छी कारगुजारी प्रस्तुत करने पर अतिथियों ने स्कूल प्रबंधक परेश शाह को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य ओमप्रकाश सिंह उर्फ टीनू, सिंह, मुखिया कंचन देवी , पंचायत समिति सदस्य पिंकी देवी, शंभू सोनी सहित अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, कांग्रेसी नेता सरदार लक्की सिंह, प्रवीण शाह ,गोपाल डालमिया, प्रेम अग्रवाल, नीरज बरनवाल, बबलू भगत, प्रदीप साव, रोबिन कसेरा, जिम्मी सिंह ,अरविंद भूषण डे, संजय वोरा एंव बच्चों के माता-पिता सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे ,केबीएम किड्स गार्डन स्कूल के डायरेक्टर परेश शाह ने कहा आज हमारे स्कूल का 17 साल पूरा हो गया है ,हमने बहुत छोटे स्तर से स्कूल की शुरुआत की थी, लेकिन आपके सहयोग और हिम्मत के बदौलत आज हमारा स्कूल इस मुकाम पर पहुंच गया है, इसी तरह हर अभिभावक का सहयोग रहा तो इस स्कूल को बुलंदियों तक पहुंचाने का मेरा प्रयास होगा।वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल की सब डायरेक्टर पायल शाह, कोऑर्डिनेटर आशीष शाह, प्रिंसिपल कोमल शाह, वाइस प्रिंसिपल लवली वर्मा, शिक्षिका सुनीता ,रजनी ,प्रेरणा, ज्ञानम, विनीता ,आरती की मुख्य भूमिका रही।

- **प्रतिभाशाली बच्चे एवं बच्चियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया**

11 को राज्य का सर्वांगीण विकास के मांग पर भाजपा का विधानसभा घेराव

चांडिल । 11 अप्रैल को राज्य का सर्वांगीण विकास के मांग पर भाजपा का विधानसभा घेराव कार्यक्रम होगा। इस संबंध में भाजपा प्रबुद्ध प्रकोष्ठ दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रभारी डॉ0 अमर कुमार चौधरी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ0 जटा शंकर पांडे ने निमडीह में संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया। पत्रकारों को जानकारी देते हुए डॉ0 अमर कुमार चौधरी ने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार राज्य के विकास में विफल है। उन्होंने कहा कि हर पंद्रह किलोमीटर में वायर हाउस, स्कूल, कॉलेज, तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान, अस्पताल आदि का निर्माण करने से स्वतः ही राज्य का सर्वांगीण विकास होगा। लेकिन हेमंत सोरेन सरकार राज्य के विकास के लिए गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य के चहुमुंखी विकास के मांग पर भाजपा द्वारा 11 अप्रैल को विधान सभा का घेराव किया जायेगा। डॉ0 जटा शंकर पांडे ने कहा कि शिक्षा व कृषि का स्तर उन्नत कर राज्य का विकास किया जा सकता है। लेकिन हेमंत सोरेन सरकार विकास के लिए सचेतन नहीं है।

'राष्ट्र सृजनकर्ता के रूप में मातृशक्तियाँ'

किसी भी राष्ट्र के विकास और प्रसिद्धि के लिए किए गए कार्य राष्ट्र निर्माण के अंतर्गत आते हैं। राष्ट्र निर्माण कार्य बेहद पुनीत कार्य है। राष्ट्र के हित में जो भी कार्य किया जाए कम है। इतिहास गवाह है कि राष्ट्र के लिए बलिदान होने वाले वीरों के साथ-साथ नारियां भी पीछे नहीं हैं। राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत नारियों के बलिदान की गौरवगाथाएं प्रत्येक देश के इतिहास को गौरवान्वित करती हैं। भारतीय नारियों ने भी राष्ट्रीय विकास और गौरव को बढ़ाने में पुरुषों का सदैव साथ दिया है। कई क्षेत्रों में तो नारियां पुरुषों को भी छोड़ गई हैं।

हमारे यहां शास्त्रों में कहा गया है कि ₹यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता।₹ अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है वहां देवताओं का वास होता है। जिस समाज में नारी बढ़-चढ़कर विभिन्न क्षेत्र से संबंधित कार्यों में हिस्सा लेती है वहां प्रगति की संभावनाएं अत्यंत बढ़ जाती हैं। घर गृहस्थी का निर्माण हो या राष्ट्र का निर्माण नारी के योगदान के बिना कोई भी निर्माण पूर्ण नहीं हो सकता। आजादी के समय से लेकर आज तक समाज व राष्ट्र के नवनिर्माण में महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय सहभागिता निभाई है। महिलाओं की शक्ति को कभी कम नहीं आंका जा सकता। एवरेस्ट फतह करने से लेकर अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाली व देश की सत्ता में सरकारी ओहदों की शोभा बढ़ाती महिलाओं ने नारी शक्ति का गौरव बढ़ाया है।

भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था क्योंकि उसके विकास में पुरुष तथा स्त्रियों का समान प्रयास हुआ करता था लेकिन जैसे-जैसे स्त्रियों के विकास का अनुपात कम होता गया वैसे वैसे भारत का गौरव धूमिल पड़ता गया।

भारतीय महिलाओं का इतिहास में योगदान अप्रतिम रहा है। सिर्फ स्वाधीनता संग्राम के समय को देखा जाए तो भारतीय महिलाओं का योगदान आगणनीय ही प्राप्त होगा।

स्वाधीनता संग्राम के दौरान महारानी लक्ष्मीबाई, विजयालक्ष्मी पंडित, अरूणा आसफ अली, हितेश सरोजिनी नायडू, कमला नेहरू, सुचेता कृपलानी, मणीबेन पटेल अमृत कौर जैसी स्त्रियों ने आगे आकर अपना अप्रतिम योगदान दिया।

प्राचीन भारत में सीता, सावित्री, गंडकी, अरुंधति, लोपामुद्रा, अनुसूया जैसी महान स्त्रियों ने अपने ज्ञान के माध्यम से मानव समाज को एक सकारात्मक मार्ग दिखाया।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

साहित्य के क्षेत्र में नारी के सार्थक योगदान को बिल्कुल भी नकारा नहीं जा सकता। सुभद्रा कुमारी चौहान, महादेवी वर्मा, सरोजिनी नायडू, उषा देवी मित्र जैसी अनेकों नारियों ने साहित्यिक क्षेत्र में देश का मान बढ़ाया।

चिकित्सा का क्षेत्र हो या इंजीनियरिंग का, सिविल सेवा का हो या बैंक का, पुलिस का हो या फौज का, वैज्ञानिक हो या व्यवसायी प्रत्येक क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर स्त्रियाँ आज सम्मान के पद पर आसीन हैं।

राष्ट्र के निर्माण में स्त्रियों का सबसे बड़ा योगदान घर एवं परिवार को संभालने के रूप में हमेशा रहा हैं। किसी भी समाज में श्रम विभाजन के अंतर्गत कुछ सदस्यों को घर एवं बच्चों को संभालना एक अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व हैं।अधिकांश स्त्रियाँ इस दायित्व का निर्वाह बखूबी कर रही हैं।

घर को संभालने के लिए जिस कुशलता और दक्षता की आवश्यकता होती है उसका पुरुषों के पास सामान्यतया अभाव होता हैं इसलिए स्त्रियों का शिक्षित होना अनिवार्य हैं।

आज के समय में जहां विज्ञान ने इतनी तरक्की कर ली है वहीं दूसरी तरफ महिलाओं का कुछ ऐसा वर्ग भी है जिन्हें उनके मूल अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। इस कुप्रथा को दूर करने के लिए हर किसी को अपनी मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। वास्तव में स्त्री के प्रति उपेक्षा का सिलसिला उसके जन्म के साथ ही शुरू हो जाता हैं और घर परिवार ही उसका प्रथम उपेक्षा का स्थल बन जाता हैं। स्त्री की उपेक्षा की मुक्ति घर की देहरी पार करने के बाद ही मिलती हैं।

नारी ही एक पुरुष को जन्म देती है, तभी नारी की सहन करने की शक्ति यानी सहनशक्ति का अहसास होता है कि वह इस संसार में कितनी मजबूत शक्ति है। आज उसी ही मजबूत नारी शक्ति पर कुछ मानसिक रूप से विक्षिप्त पुरुषों (ऐसे पुरुष जो नारी शक्ति को अपने उपभोग की वस्तु समझते हैं) द्वारा बलात्कार जैसी घटनाएं होती हैं। ऐसे पुरुषों द्वारा नारी को शारीरिक शोषण द्वारा हमेशा लज्जित किया जाता है, यह चीज समस्त मानवजाति को शर्मसार करती है। कुछ पुरुषों के ऐसे कृत्यों द्वारा बाकी के साफ़-सुथरी छवि के पुरुषों को भी शर्मसार होना पड़ता है। आज जरूरत है महिलाओं और छोटी छोटी बच्चियों के खिलाफ बलात्कार जैसी होनी वाली घटनाओं पर लगाम लगाई जाए। ये तभी हो सकता है जब बलात्कार जैसे कृत्यों के खिलाफ मानव जाति एकजुट होकर फैंसला ले और जो लोग दोषी पुरुषों का साथ देते हैं ऐसे लोगों का भी समाज पूर्ण रूप से बहिष्कार करे। इसके साथ ही आज जरूरत है कि बलात्कार जैसे कृत्यों के खिलाफ सरकारें एक कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान करें और बलात्कार जैसे मामलों की फास्टट्रैक कोर्ट द्वारा त्वरित कार्यवाही हो। जिससे कि दूसरे लोग भी ऐसे कृत्य करने से पहले सौ बार सोचें। तभी मानव जाति और समाज के स्तर को उठाया जा सकता है।

भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त भारत के मौलिक के मौलिक अधिकारों के अन्तर्गत सभी को अनुच्छेद 14-18 के अन्तर्गत समानता का अधिकार दिया गया है। जो कि महिलाओं और पुरुषों को बराबरी का अधिकार देता है। इसके अन्तर्गत यह भी सुनिश्चित किया गया है कि राज्य के तहत होने वाली नियुक्तियों और रोजगार के संबंध में किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाएगा। और संविधान द्वारा मौलिक अधिकारों के अन्तर्गत दिये गया समानता का अधिकार भारतीय राज्य को किसी के भी खिलाफ लिंग के आधार पर भेदभाव करने से रोकता है। देश में महिलाओं के उत्थान और सशक्तीकरण को देखते हुए हमारे संविधान को 1993 में संशोधित किया गया। 73वें संशोधन के जरिये संविधान में अनुच्छेद 243ए से 243ओ तक जोड़ा गया। इस संशोधन में इस बात की व्यवस्था की गई कि पंचायतों और नगरपालिकाओं में कुल सीटों की एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित होंगी। इस संशोधन में इसकी भी व्यवस्था की गई कि पंचायतों और नगरपालिकाओं में कम से कम एक तिहाई चेयरपर्सन की सीटें महिलाओं के लिए सुरक्षित हों। पंचायती राज संस्थानों द्वारा महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने में सकारात्मक कार्यवाही से महिलाओं के प्रतिनिधित्व में तेजी से वृद्धि हुई है। वास्तव में देखा जाए तो देशभर में पंचायतों में चुनी गई महिलाओं का प्रतिनिधित्व 40 प्रतिशत हो गया है। कुछ राज्यों में पंचायतों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। बिना प्रतिनिधित्व के महिलाओं का सशक्तिकरण असंभव है। जब तक महिलाओं को प्रतिनिधित्व नहीं दिया जाएगा तब तक हम महिलाओं के सशक्तिकरण की कल्पना नहीं कर सकते। आज के मौजूदा समय में जरूरत है कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को उनकी आबादी के हिसाब से या 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। जिससे कि पंचायतों और नगरपालिकाओं की तरह संसद और विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ सके।

आज जरूरत है कि समाज में महिलाओं को अज्ञानता, अशिक्षा, कूपमंडूकता, संकुचित विचारों और रूढ़िवादी भावनाओं के गर्त से निकालकर प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए उसे आधुनिक घटनाओं, ऐतिहासिक गरिमामयी जानकारी और जातीय क्रियाकलापों से अवगत कराने के लिए उसमे आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, राजनैतिक चेतना पैदा करने की।

विश्व के मानस पटल पर एक अखंड और प्रखर भारत की तस्वीर तभी प्रकट होगी जब हमारी मातृशक्ति अपने अधिकारों और शक्ति को पहचान कर अपनी गरिमा और गौरव का परिचय देगी और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रमुख भूमिका निभाएंगी।

भारत-रूस की दोस्ती पर क्यों आ रही आंच

फिनलैंड का नैटो(नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) में शामिल होना उभरते ग्लोबल ऑर्डर पर गहरी छाप डालने वाली घटना है। यूक्रेन पर रूसी हमले ने इस गठबंधन को नई सार्थकता दी है, जिसे शीतयुद्धोत्तर काल में अतीत का अवशेष माना जाने लगा था। फिनलैंड के राष्ट्रपति ने इस मौके पर कहा, 'हर राष्ट्र अपनी सुरक्षा पुख्ता करना चाहता है, फिनलैंड भी वही कर रहा है। नैटो मेंबरशिप ने हमारी अंतरराष्ट्रीय स्थिति मजबूत बनाई है।' इस घटना ने यह बात पूरी स्पष्टता से रेखांकित कर दी है कि हमारे इतिहास का सैन्य गुटनिरपेक्षता का दौर समाप्त हो गया है और एक नया दौर शुरू हो चुका है। नैटो की सीमा करीब 1300 किलोमीटर तो बढ़ ही चुकी है, स्वीडन भी इसमें शामिल होने का इंतजार कर रहा है।

उलटा पड़ा दांव

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने यूक्रेन पर हमले की जिम्मेदारी पश्चिमी देशों और नैटो का विस्तार करने की उनकी कोशिशों पर डाली थी। उनकी दलील थी कि यूक्रेन के खिलाफ बल प्रयोग के जरिए वह दूसरे देशों के लिए एक लकीर खींच रहे हैं ताकि वे नैटो से दूर रहें। यूरोप में इतना बड़ा युद्ध शुरू करने का प्रमुख कारण उन्होंने यही बताया था। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने तब कहा था कि वह यह कहने से खुद को नहीं रोक पा रहे हैं कि 'शायद इसी बात के लिए आगे चलकर हम पूतिन का शुक्रिया अदा करें क्योंकि उन्होंने वही स्थिति समय से पहले ला दी है, जिसे रोकने का दावा वह कर रहे हैं।'

-इस बात पर काफी चर्चा होती रही है कि पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर हमला करने के बाद से जंग के मैदान में रूसी फौज को किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिमी देशों के सहयोग की बदौलत यूक्रेन ने लगभग हर स्तर पर रूसियों के पसीने छुड़ा दिए हैं।

-लॉजिस्टिक्स से जुड़ी समस्याओं और कमांड व कंट्रोल से जुड़े मसलों ने भी रूसी फौज के प्रदर्शन को बुरी तरह प्रभावित किया है।

-अपनी मातृभूमि की रक्षा के संकल्प के साथ यूक्रेनी नागरिक हर कदम पर जान की बाजी लगाते हुए रूसियों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने जंग के मैदान में तो बढ़िया प्रदर्शन किया ही है, दुनिया में कई देशों का रुख अपनी ओर करने में भी काफी हद तक सफल रहे हैं।

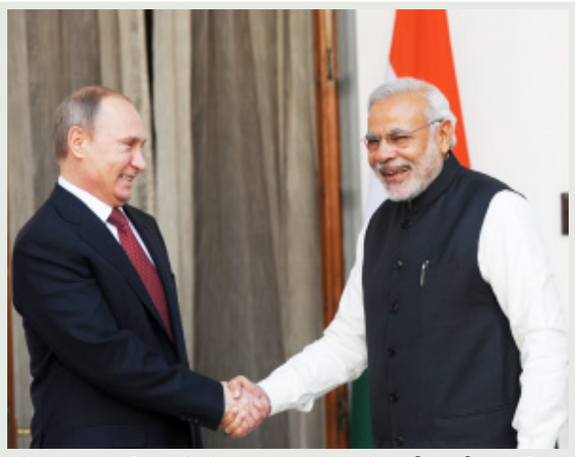

यूक्रेन पर रूसी हमले ने इस गठबंधन को नई सार्थकता दी है, जिसे शीतयुद्धोत्तर काल में अतीत का अवशेष माना जाने लगा था। फिनलैंड के राष्ट्रपति ने इस मौके पर कहा, 'हर राष्ट्र अपनी सुरक्षा पुख्ता करना चाहता है, फिनलैंड भी वही कर रहा है। नैटो मेंबरशिप ने हमारी अंतरराष्ट्रीय स्थिति मजबूत बनाई है।'

-दूसरी ओर रूस मान कर चल रहा था कि कुछ दिनों नहीं तो हफ्तों के अंदर तो यूक्रेन को ध्वस्त कर देगा, वह बुरी तरह मात खाया दिख रहा है। इसीलिए रूस को परमाणु हथियारों की धमकी का सहारा लेना पड़ा।

एकजुट हुआ यूरोप

रूस के लिए असली चुनौती सामरिक स्तर पर है। रूसी हमले ने एक झटके में न केवल पश्चिम को एकजुट कर दिया बल्कि उसे दूसरे विश्व युद्ध के बाद की अपनी सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से विचार करने को भी मजबूर किया। जर्मनी जैसे देश के लिए भी यह घटना सामरिक नजरिए से महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। नैटो एक तरह से जैसे पुनर्जीवित हो गया और फिनलैंड, स्वीडन जैसे पारंपरिक तौर पर गुटनिरपेक्ष देश भी अपने लंबे समय से चले आ रहे रुख पर पुनर्विचार करने को मजबूर हुए। फिनलैंड में नैटो में शामिल होने के सवाल पर लोगों का समर्थन 80 फीसदी तक पहुंच गया, जिससे स्वाभाविक ही नीति निर्माताओं के लिए फैसला करना आसान हो गया।

-रूस के लिए इसका मतलब होगा चीन से और ज्यादा करीबी, लेकिन उसके जूनियर पार्टनर के रूप में। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के सामने पूतिन की जूनियर पार्टनर की हैसियत तभी स्पष्ट हो गई थी, जब चिनफिंग हाल में रूस के दौरे पर आए थे।

-दोनों देशों ने 'प्रायॉरिटी पार्टनर्स' के तौर पर संयुक्त वक्तव्य में संकल्प लिया कि क्षेत्रीय अखंडता के सवाल पर एक-दूसरे का समर्थन करेंगे।

-क्वॉड जैसे उभरते गठबंधनों के मद्देनजर दोनों ने एशिया-पैसिफिक में अपना-अपना ब्लॉक बनाने की मानसिकता का विरोध किया और इसकी जगह पर ऐसा सिक्यॉरिटी सिस्टम बनाने का संकल्प लिया, जो समान और सबके लिए खुला होगा। 'बराबरी वाली पार्टनरशिप' जैसे जुमलों के पीछे की हकीकत यह देखने पर साफ हो जाती है कि इस वक्त किसे किसकी जरूरत है।

हाल ही में जारी विदेश नीति की रणनीति में रूस ने चीन और भारत को मित्र राष्ट्र के रूप में रेखांकित किया है। आज जब वह पश्चिमी देशों से घिरा हुआ है, तब वह भारत से सहयोग बढ़ाना चाहता है। लेकिन रूस जो भी चाहे, सचाई यह है कि दोनों देशों के रिश्तों में कई स्तरों पर चुनौतियां बढ़ रही हैं।

-अव्वल तो रूस और चीन के बीच समझौते से भारत में आशंका पैदा हुई है।

-भारत और रूस के बीच के रक्षा संबंधों में आ रही मुश्किलों का अंदाजा इस बात से भी होता है कि भारतीय वायुसेना ने सार्वजनिक तौर पर कह दिया कि यूक्रेन युद्ध की वजह से मॉस्को भारत को जरूरी रक्षा सप्लाई मुहैया कराने का वादा पूरा करने की स्थिति में नहीं है। जाहिर है, सीमा पर चीन के साथ तनाव को देखते हुए भारत इस स्थिति को ज्यादा समय तक स्वीकार नहीं कर सकता।

-वैसे सच यह भी है कि भारत, रूस से अपने रिश्तों को प्रभावित नहीं होने देना चाहेगा। लेकिन हालात तेजी से बदलते जा रहे हैं और भारत को हथियारों के लिए कोई वैकल्पिक ठिकाना तलाशना होगा।

बुनियादी संरचना में बदलाव

साफ है कि यूरोप की सुरक्षा संरचना को आकार देने वाले बुनियादी कारकों में बदलाव आ रहा है और उनका प्रभाव भारत की विदेश नीति पर भी पड़ रहा है। रूस के साथ भारत के रिश्ते भी इससे अप्रभावित नहीं रह सकते। भारत यही उम्मीद कर रहा है कि सब कुछ ठीक रहे, लेकिन उसे बुरे नतीजों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

लापरवाही न बरतें

देश में कोरोना वायरस का प्रभाव कम जरूर हो गया है, अपना जैसा व्यापक और खतरनाक रूप यह दिखा चुका है उस मुकाबले अभी स्थिति बहुत बेहतर है। यह बात भी सही है कि फिलहाल इसके उस रूप में वापसी के कोई आसार नहीं लगते। बावजूद इसके यह मानना सही नहीं है कि कोरोना समाप्त हो गया है या इसका खतरा पूरी तरह टल चुका है। सचाई यह है कि छोटे स्तर पर ही सही, मगर इस वायरस का खेल अभी भी चल ही रहा है। इसका नया वेरिएंट एक्सबीबी.1.16 है जिसने दूसरे वेरिएंट्स की जगह ले ली है और तेजी से फैल रहा है।

हाल के दिनों में इसके प्रसार में आई तेजी के पीछे यही नया वेरिएंट है। गुरुवार को देश भर में 24 घंटे के अंदर 5,335 नए मामले दर्ज हुए, जो पिछले 195 दिनों में 24 घंटे की अवधि में दर्ज हुई सबसे ज्यादा संख्या है। इसके अगले दिन शुक्रवार को यह संख्या बढ़कर 6050 हो गई। जाहिर है, वायरस के प्रसार में आई इस तेजी की अनदेखी नहीं की जा सकती। हालांकि यह संख्या भी खतरनाक नहीं कही जा सकती। यह बात भी सही है कि वायरस का नया वेरिएंट वैसा मारक नहीं है। इससे संक्रमित होने के बाद सामान्य मरीज को बुखार होता है, जो धीरे-धीरे चढ़ता है, सिरदर्द, बेचैनी और गले में तकलीफ भी होती है, लेकिन एक-दो दिनों में ही यह ठीक भी हो जाता है। इससे मौत का अनुपात काफी कम है। लेकिन यह फैलता काफी तेजी से है। WHO ने भी इस पर नजर रखने की सलाह दी है।

अब तक का अनुभव बताता है कि कोरोना वायरस न केवल रूप बदलता है बल्कि अपनी क्षमता में भी इजाफा कर सकता है। ऐसे में नहीं कहा जा सकता कि इसका जो रूप कम खतरनाक नजर आ रहा है, वही फैल जाने के बाद नए रूप में ज्यादा खतरनाक नहीं हो जाएगा। स्वाभाविक ही, केंद्र सरकार ने इस पर कड़ी नजर बनाए रखी है। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने विभिन्न राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक में ताजा हालात के साथ संभावित चुनौतियों से निपटने की तैयारियों की भी समीक्षा की।

कई राज्य सरकारों ने सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनने को लेकर नए निर्देश भी जारी किए हैं। जहां तक आम लोगों की बात है तो फिलहाल किसी तरह की घबराहट की कोई बात नहीं है। लेकिन बुजुर्गों और किसी तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए विशेष सावधानी जरूरी है। और हां, जिन लोगों ने वैक्सीन की प्रिकॉशन डोज नहीं ली है, वे जितनी जल्दी ले लें उतना बेहतर। आखिर इस अनदेखे दुश्मन से निपटने का सबसे कारगर हथियार लोगों की सावधानी ही साबित हुआ है।

क्यों कोई किसी सारस को बचाए, पेटा जैसे संगठनों ने जानवरों को पालना ही बना दिया है अपराध

उत्तर प्रदेश के अमेठी में रहने वाले एक युवक आरिफ और उसका सारस बीते दिनों बड़ी चर्चा में रहे। यह सारस आरिफ को घायल अवस्था में मिला था। उसने सारस का इलाज किया, उसे ठीक किया, फिर वे दोनों दोस्त बन गए। इसका एक वीडियो वायरल हुआ और वन विभाग जीव संरक्षण अधिनियम के तहत सारस को जबरन अपने साथ ले गया। बाद में सारस को चिड़ियाघर भेज दिया गया। चिड़ियाघर में सारस का रहना उचित है और घर में रहने पर बंदिश है। क्यों? क्या पशु-पक्षियों को पालने, उन्हें दुलारने, उनसे बच्चों की तरह प्यार करने वाले लोग नहीं पाए जाते। हमारा पूरा लोक साहित्य, धार्मिक ग्रंथ, भित्ति चित्र और पेंटिंग्स ऐसे चित्रों से भरे पड़े हैं।

यह बात समझ से परे है कि कानून अक्सर कठोरता की लाठी से लोगों को पीटता है। वह अच्छे-बुरे का भेद भी नहीं करता। अरे भाई, जो पशु-पक्षियों को सताते हैं, उन पर ऐसा कानून लागू करो। जो उन्हें पालते हैं, देखभाल करते हैं, उन पर यह लाठी क्यों चलती है? कानूनों की इतनी अधिक अति होती है कि लोग उन्हें मानने से इन्कार करते या हिचकने लगते हैं। यदि सारस, तोते, भालू और बंदर आदि पालना गलत और अपराध है, तो गायों, भैंसों, बकरियों, मुर्गियों, तीतरों, भेड़ों, घोड़ों, गधों, कुत्तों, खरगोशों, कछुओं, गिलहरियों, बहुत सी चिड़ियों और बिल्लियों आदि को पालना कैसे उचित है? उन पर यह कानून क्यों लागू नहीं होता या कि कानून जहां उपयोगिता देखता है, वहां से आंखें मूंद लेता है। जानवरों की इतनी ही चिंता है तो सड़कों पर जो इतने निरीह जानवर छोड़ दिए जाते हैं, उनका क्या? वे अनेक मामलों में भीषण दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं, बल्कि दुर्घटनाओं का कारण भी बनते हैं, उनकी चिंता क्यों नहीं? और वे जानवर जैसे कि बकरे, भेड़ें, मछलियां, मुर्गे जो खाने के लिए मार दिए जाते हैं, उनकी रक्षा क्यों नहीं करते? सबसे पहले उन कसाईघरों से जानवरों को मुक्त कराइए, जिन्हें हर रोज करोड़ों की संख्या में मारा जाता है। उनका जीवन क्या आरिफ के सारस से कम कीमती है। फिर चिड़ियाघरों में भी जानवर कितने स्वतंत्र होते हैं, वहां उन्हें रखना घर के मुकाबले क्यों उचित है?

अपने देश में अनेक जगहों पर हर साल साइबेरिया से प्रवासी पक्षी आते हैं। बहुत साल पहले एक पत्रकार मित्र ने बताया था कि जिन लोगों को इनकी रक्षा के लिए रखा जाता है, उनमें से ही कई इन्हें मार देते हैं। न केवल खुद इनका मांस खाते हैं, बल्कि महंगे दामों पर बेचते हैं। एक तरह से रक्षक ही भक्षक बन जाते हैं। यदि यह बात सच है तो ऐसे लोगों पर क्या कार्रवाई हुई या ऐसी बातों से कानून भी आंखें मूंदकर रखता है? आरिफ के लिए तो थानेदार बनकर आ गए, उसकी एक न सुनी और उसके सारस को छीनकर ले गए। जब सारस बुरी तरह से घायल था, चोट से मर सकता था, तब कोई उसे बचाने नहीं आया। मान लिया गया कि यह तो आरिफ की जिम्मेदारी और कर्तव्य था। जब सारस ठीक हो गया तो इस पर वन विभाग, चिड़ियाघर और न जाने किस-किस का अधिकार हो गया। यानी अब शायद ही कोई इस तरह से घायल और जीवन की अंतिम सांसें गिनते किसी पक्षी को बचाएगा तो उसे आरिफ की तरह कानूनी कार्रवाई झेलनी पड़ेगी। होम करते हाथ जलेगा।

आखिर आरिफ का क्या कुसूर है? क्या उसने सारस को सताया। उसे पिंजरे में रखा? कुछ लोग कह रहे हैं कि ठीक हो जाने के बाद आरिफ को खुद ही सारस वन विभाग को सौंप देना चाहिए था। यह भी तो संभव है कि उसे इस कठोर कानून की जानकारी ही न हो। जरूरी तो नहीं कि सब हर एक कानून को जानते हों। एक तरह से वन विभाग और पेटा जैसे संगठनों ने जानवरों को पालना ही अपराध बना दिया है। ऐसे कानून सिर्फ भारत में ही बनाए जा सकते हैं, जहां बिना कुसूर भी किसी को अपराधी ठहराया जा सके। मानवीय पक्ष, दया ममता को देखने, उस पर विचार करने की जैसे कोई गुंजाइश ही नहीं। मैं विदेशों में पालतू जानवरों के अद्भुत वीडियो अक्सर देखती हूं। वहां की ऐसी कई दुकानें भी देखी हैं, जहां बहुत से पशु-पक्षी ही नहीं छिपकली, गिरगिट और गोह जैसे जानवर मिलते हैं। लोग इन्हें खूब पालते हैं।

कुछ दिन पहले एक और खबर पढ़ी थी कि विदेश में कहीं एक आदमी को नदी किनारे एक घायल मगरमच्छ मिला था। वह उसे घर ले आया। उसका इलाज किया। जब वह ठीक हो गया, तो वापस नदी में छोड़ आया। अगले दिन सवेरे जब उस आदमी ने अपना दरवाजा खोला, तो मगरमच्छ बरामदे में सो रहा था। अच्छा है कि यह आदमी भारत में नहीं था। विदेश में ऐसा होता तो शायद बोर्न फ्री सीरीज की तीन अभूतपूर्व किताबें भी न लिखी जातीं। न ब्लैक ब्यूटी, ब्लिट्ज जैसे घोड़ों के जीवन पर लिखे बेहद मार्मिक उपन्यास ही प्रकाश में आते।

दैनिक पंचांग

10 अप्रैल 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.01 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.41 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	09.40 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	11.53 बजे से
गुरु	मीन में	सिंह	14.09 बजे से
शुक्र	वृष में	कन्या	16.21 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.32 बजे से
राहु	मेष में	वृश्चिक	20.46 ब.से
केतु	तुला में	धनु	23.02 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मकर	01.08 बजे से
		कुंभ	02.54 बजे से
		मीन	04.27 बजे से

सोमवार 2023 वर्ष का 100 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 08.38 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 13.39 बजे को समाप्त।
योग व्यतीपात 20.11 बजे को समाप्त।
करण बालव 08.38 बजे तदनन्तर कौलव 20.01 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 46'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871579
जूलियन दिन 2460044.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना रमजान
तारीख 18

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 10 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनै:-शनै: बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणि

चलिए गर्मियों को 'टोपी' पहनाएँ !

घर से बाहर निकलते ही चिलचिलाती धूप जब आपके सर पर पड़ती है तो आपका सर बेचारा इस आक्रमण से घबराकर रह जाता है। जाहिर है कि तीखी धूप से झुलसने के अलावा उसे पसीने में चिपचिपाते बालों की समस्या और फिर इन दोनों से जुड़ी अन्य कई परेशानियों को भी झेलना पड़ता है। तो क्यों न सर को दें थोड़ा आराम टोपी पहनाकर।

सर को ढँककर रखना इस मौसम की सबसे प्राथमिक जरूरत है। धूप आपके सर के बालों से लेकर त्वचा तक के लिए हानिकारक होती है। फिर इसके दुष्प्रभाव सर के रास्ते आपके शरीर के अंदर भी जा पहुँचते हैं। चूँकि हैट आपके सर को धूप से बचाता है और हवा के आने-जाने के लिए भी रास्ते खुले रखता है अत: गर्मियों में यह सर को बचाने का सबसे अच्छा तरीका है। यूँ हैट का यह चलन पश्चिम की देन है लेकिन अब फैशन तथा जरूरत दोनों के लिहाज से यह पूरी दुनिया में मुकाम बना रहा है। गर्मी में जूट, कॉटन या डेनिम से बने हैट न केवल आपके सर को बचाए रखते हैं बल्कि दिखने में भी ये काफी खूबसूरत लगते हैं। इनका फैशन सदाबहार है। कॉलेज जाने वाली युवतियों से लेकर महिलाओं तक पर ये फबते हैं।

ये कई सारी खूबसूरत डिजाइनों, रंगों और आकारों में मिलते हैं। गर्मियों में तो अक्सर आपको बाजार इनसे सजे मिल जाएँगे। चाहें तो जूट का बना गोल हैट पहनें या फिर काऊब्वॉय हैट, आप चाहें तो सिंपल डेनिम हैट से भी सज सकती हैं। इसकी कीमत भी 100 रुपए से शुरू होती है। हाँ, यदि आप ब्रांडेड हैट्स पहनने का शौक फरमाएँ तो आपको हजारों रुपए भी खर्च करने पड़ सकते हैं। ये आप पर निर्भर है। आजकल हैट्स के मटेरियल के अलावा उसकी डिजाइन के साथ भी कई प्रयोग किए जाते हैं। इसमें मोतियों से लेकर पंछियों के पंख, जवाहरात, रेशमी कपड़े आदि जैसी अनगिनत चीजों का प्रयोग किया जाने लगा है जिससे हैट अब एक क्रिएटिव फैशन एक्सेसरी भी बन गए हैं।

हैट हर पोशाक के साथ फबता है और विशेषतौर पर वेस्टर्न वेयर के साथ ये बहुत ही अच्छा कॉम्बिनेशन बनाता है। जींस-टी शर्ट, स्कर्ट, मिडी, कैप्री या फिर जंप सूट, सभी के साथ हैट अच्छा लगेगा। यही नहीं, सलवार सूट या साड़ी के साथ भी आप स्टाइलिशसर को ढँककर रखना इस मौसम की सबसे प्राथमिक जरूरत है। धूप आपके सर के बालों से लेकर त्वचा तक के लिए हानिकारक होती है।

मीठे चावल

सामग्री : 1 कप बासमती चावल, सवा कप शक्कर, डेढ़ कप पानी, 2 टीस्पून चने की दाल भिगोई हुई, 2 टीस्पून घी, आधा-आधा टीस्पून केसर व इलायची पाऊडर, 3-4 लौंग, दालचीनी, सजाने के लिए कटे हुए बादाम, पिस्ता व काजू।

विधि : चावल को धोकर भिगो लें। एक पैन में घी गर्म करें। दालचीनी व चना दाल डालें। चावल डालकर गुलाबी होने तक भूनें। पानी डालें और ढंककर पकाएं। जब चावल अधपके हो जाएं तब शक्कर, इलायची, केसर डालें और धीमी आंच पर पकाएं। जब शक्कर घुल जाए तब आंच पर से उतार लें। ड्राइफ्रूट्स से सजाकर गर्मा-गर्म परोसें।

आंखों के डार्क सर्कल- घरेलू उपचार

आंखों के नीचे डार्क सर्कल एक आम समस्या है। चेहरे की सुंदरता पर ग्रहण से लगते हैं डार्क सर्कल्स। नींद पूरी न होने पर, असंतुलित आहार लेने, पानी कम पीने पर डार्क सर्कल्स अपना कब्जा जमा लेते हैं। इन्हें दूर करना कठिन तो है पर असंभव नहीं। बस आवश्यकता है कुछ अतिरिक्त देखभाल की-

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो इसका प्रभाव त्वचा पर दिखाई पड़ता है। उस कमी को दूर करने के लिए एक दिन में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पिएं।
- नींद पूरी लें। कम से कम 7 से 8 घंटे की शांत नींद लें। पूरी नींद से त्वचा पर निखार आता है।
- रिच डाइट लें जिसमें ताजे फल, नट्स और ताजी सब्जियों की पर्याप्त मात्रा हो। जंक फूड, टिंड फूड और टिंड जूस में कृत्रिम रंग और कई प्रकार के रसायन मिले होते हैं जो हमारी त्वचा को नुक्सान पहुंचाते हैं। जूस हमेशा ताजे फलों का पिएं। इससे शरीर की सफाई होती है और ब्लैक सर्कल कम होते हैं।
- अधिक स्मोकिंग और अधिक ड्रिंकिंग आंखों के डार्क सर्कल्स को बढ़ावा देते हैं। इन बुरी आदतों का त्याग करना अच्छी बात है।

- यदि आप तनावग्रस्त हैं तो तनाव आपके चेहरे पर साफ दिखाई देता है। तनाव दूर करने के लिए लम्बे गहरे श्वास भरें और मैडीटेशन का सहारा लें।
- हर्बल टी बैग्स को ठंडा कर आंखों पर रखें। इससे भी डार्क सर्कल्स कम होंगे। वैसे हर्बल टी आंखों के लिए भी अच्छी होती है।
- अनानास के जूस में हल्दी पाऊडर मिलाकर पेस्ट बनाएं और इस पेस्ट को आंखों के चारों तरफ लगाएं। सूखने पर चेहरा धो लें। यह बहुत अच्छा घरेलू नुस्खा है डार्क सर्कल्स को दूर करने का।
- दिन में 15 से 20 मिनट तक आंखों के चारों तरफ बादाम तेल से हल्की-हल्की मालिश करें। शीघ्र परिणाम मिलेगा।
- गुलाबजल में एक बूंद ग्लिसरीन की डाल कर रूई भिगोकर आंखों पर कुछ समय के लिए रखें। कुछ ही दिनों में डार्क सर्कल्स से छुटकार मिल जाएगा।
- पुदीना जूस भी आंखों के लिए प्रभावी है। इस जूस को आंखों के चारों ओर लगाएं। आंखों को ठंडक भी मिलेगी और ब्लैक सर्कल्स से छुटकारा भी मिलेगा।

बातें रसोई की

- हैंडल वाले बर्तनों के हैंडल की समय-समय पर जांच करते रहें। आवश्यकता होने पर उन्हें समय पर ही ठीक करवा लें।
- किनारों से टूटे कप और गिलास प्रयोग में न लाएं। उन्हें तुरन्त रद्दी की टोकरी में फैंक दें। असावधानीवश धोते समय हाथ पर लग सकता है या गर्म पेय डालते समय चटक कर टूट भी सकता है।
- रसोईघर में मोमबत्ती आदि न जलाएं। एमरजैंसी के लिए टार्च एक निश्चित स्थान पर रखें।
- चाकू, माचिस, लाइटर को निश्चित स्थान पर रखें।
- रसोईघर को साफ और सूखा रखें नहीं तो मक्खी व काक्रोच खाने की चीजों को खाने लायक नहीं छोड़ेंगे।
- रसोई घर में एग्जास्ट फैन अवश्य लगाएं ताकि धुआं बाहर निकलता रहे।

गर्मियों में खान-पान की भूमिका

हर मौसम का अपना आनंद है और उस आनंद को महसूस करने, मनाने के अपने तरीके भी हैं। गर्मी के बारे में आयुर्वेद में कई उपयोगी सलाह दी गई हैं। यदि हम उनका पालन करें तो गर्मी से होने वाले कष्टों से बचा जा सकता है-

- लाइट डाइट, पौष्टिक और बिना फैट की चीजें खाने पर जोर दें। गरिष्ठ भोजन करने से अपच और पेट खराब होने का डर रहता है।
- ज्यादा गर्म, तेज मसाले और अत्यधिक नमक युक्त खाने का सेवन कम करें। शरीर में नमक ऑर्गेनिक के रूप में सम्मिलित होता है जो फल, सब्जियों से प्राप्त होता है। नमक का इन ऑर्गेनिक फार्म पचकर शरीर से बाहर निकलता है।
- इस मौसम में पानी अच्छी मात्रा में पिएँ। पानी शरीर को ठंडा बनाए रखने में मददगार होता है। पानी पीने से शरीर की गर्मी सही रूप से बाहर निकलती है। यह शरीर को हाइड्रेट भी करता है। रोजाना कम-से-कम 8-10 गिलास पानी पिएँ। चाहे आप शारीरिक गतिविधियाँ करें या न करें। हाँ, पर हर जगह का पानी पीने से बचें।
- कैफिन युक्त चीजें और सॉफ्ट ड्रिंक्स का सेवन कम से कम करें। इनमें प्रिजरवेटिव्स, रंग व शुगर की भरपूर मात्रा होती है। ये अम्लीय प्रकृति और डाइयूरेटिक होते हैं, जो शरीर से पानी मलमूत्र के रूप में निकालते हैं। सॉफ्ट ड्रिंग्स में फॉस्फोरिक एसिड की मात्रा अधिक होती है जिसका प्रभाव पाचन तंत्र पर पड़ता है। इससे शरीर में से मिनरल्स की मात्रा भी कम हो जाती है।
- इस मौसम में नींबू पानी, नारियल का पानी और छाछ का सेवन अच्छी मात्रा में करना चाहिए। ये न केवल शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं बल्कि जो पानी शरीर से पसीने के रूप में निकल जाता है उसकी आपूर्ति भी करते हैं।
- एक साथ खाने की बजाए बार-बार और थोड़े से अंतराल में कुछ खाते रहना चाहिए।
- तले हुए खाद्य पदार्थ जैसे बड़ा, पकौड़े, चिप्स, नमकीन, तेल व घी युक्त भोजन से बचें, क्योंकि इनमें थर्मल इफेक्ट होता है जो गर्मी उत्पन्ना करता है।
- बहुत ठंडे पेय पदार्थ पीने से बचें। एकदम गर्मी में ठंडा पीने से कुछ देर तो अच्छा लगता है, पर शरीर को ठंडक नहीं मिलती। इससे त्वचा की ब्लड वेसल्स पिचक जाती हैं जिससे शरीर से ताप कम निकल पाता है।
- कटे हुए फल विशेषकर तरबूज, खरबूजा, सड़े हुए पुराने फल या इनके ज्यूस का कतई सेवन न करें। ताजा फल ही खरीदें। कटे हुए फलों को उसी समय उपयोग में लाएँ। यहाँ तक कि फ्रिज में भी ज्यादा समय तक कटे हुए फलों को न रखें।
- गर्मियों में पुदीना बहुत लाभदायक है, पौष्टिक होने के साथ-साथ पुदीने में शरीर को ठंडा करने के गुण भी होते हैं। इसे छाछ, दही, रोटी में मिलाकर खाएँ।
- बाजार में फलों के रस न पिएँ, क्योंकि प्रिजरवेटिव, कृत्रिम रंग और एसेंस डालकर बनाया जाता है जो नुकसानदायक होते हैं।
- इस मौसम में ताजा फ्ल और सब्जियाँ खूब खाएँ, कोशिश करें कि सलाद, फ्रूट चाट और जूस जरूर अपने खानपान में शामिल हों।

हेल्थ प्लस

शरीर में छुपा दुश्मन उच्च रक्तचाप

दिल की बीमारियाँ

उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर एक बहुत ही आम बीमारी है, जो मध्यवय के लगभग 50 प्रतिशत लोगों में पाई जाती है। यह बीमारी न केवल विकसित देशों में वरन भारत जैसे विकासशील देश में भी बहुतायत से पाई जाती है। जिस भी व्यक्ति का ऊपरी ब्लड प्रेशर (सिस्टोलिक बीपी) 130 एमएम एचजी से अधिक होता है या नीचे का ब्लडप्रेशर (डायस्टोलिक बीपी) 90 एमएम एचजी से अधिक होता है उसे उच्च रक्तचाप की श्रेणी में रखा जाता है।

यदि सिस्टोलिक बीपी 120 से 130 एमएम हो अथवा डायस्टोलिक एचजी हो अथवा डायस्टोलिक ब्लड प्रेशर 85 से 90 एमएम एचजी हो, उसे भी प्रिहायपरटेंशन की श्रेणी में रखा जाता है। इस श्रेणी के व्यक्ति को भी ब्लड प्रेशर के दुष्प्रभावों से बचने के उपाय अपनाना चाहिए। इसके अतिरिक्त यदि व्यक्ति मधुमेह, हाई कोस्ट्रोल, हृदय रोग इत्यादि से भी ग्रसित है तो उस व्यक्ति का रक्तचाप एकदम सामान्य होना अति आवश्यक है।

रक्तचाप के कारण : वैसे तो 98 प्रतिशत मरीजों में उच्च रक्तचाप का कोई निश्चित कारण नहीं पता लगाया जा सकता, परंतु लगभग 2 प्रतिशत मरीजों में कुछ ऐसे कारण ढूँढे जा सकते हैं जिनका समय पर इलाज होने पर ब्लड प्रेशर से मुक्ति मिल जाती है। इन कारणों में गुर्दे से संबंधित बीमारियाँ, एड्रिनल ग्रंथि की बीमारियाँ इत्यादि प्रमुख हैं। शेष 98 प्रतिशत मरीजों में उच्च रक्तचाप बढ़ता है जिसे जड़-मूल से खत्म करना संभव नहीं होता।

रक्तचाप के लक्षण : यह एक आश्चर्यजनक एवं ध्यान देने योग्य बात है कि ब्लड प्रेशर बहुत अधिक होने के बावजूद लगभग दो-तिहाई मरीजों में इसके लक्षण नहीं मिलते हैं। इन मरीजों में संयोगवश और किसी तकलीफ के निदान के दौरान उच्च रक्तचाप का पता चलता है। शेष मरीजों में भी कोई ऐसा विशेष लक्षण नहीं होता है जो उच्च रक्तचाप के लिए निश्चित तौर पर बताया जा सके। इनमें सरदर्द, घबराहट, चक्कर आना, धड़कन, साँस फूलना इत्यादि ऐसे लक्षण हैं जो रक्तचाप के अतिरिक्त अन्य बीमारियों में भी हो सकते हैं। यह भी जानना जरूरी है कि इन लक्षणों की तीव्रता का ब्लड प्रेशर की तीव्रता से कोई सीधा संबंध नहीं होता।

रक्तचाप का निदान : उच्च रक्तचाप के निदान का सबसे सरल एवं भरोसेमंद तरीका है कि हम अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें एवं किसी भी प्रकार के लक्षण को अनदेखा न करें। मध्यवय के पश्चात नियमित रूप से अपने चिकित्सक से परामर्श लेते रहें जिससे समय पर बढ़े हुए ब्लड प्रेशर को पहचाना जा सके। यह भी आवश्यक है कि यदि आपके चिकित्सक यह महसूस करते हैं कि आपको ब्लड प्रेशर के इलाज की आवश्यकता है तो उसे स्वीकार करें। यदि आपको उच्च रक्तचाप हुआ है तो यह भी जान लेना आवश्यक है कि वह हमारे हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे, आँखों को कहीं नुकसान तो नहीं पहुँचा रहा है। अत: अपने चिकित्सक के परामर्श से कुछ आवश्यक जाँचें करवा लें।

रक्तचाप का इलाज : यदि किसी व्यक्ति को उच्च रक्तचाप हुआ है तो उसका सतत इलाज जीवन पर्यंत आवश्यक है। हमारी जीवन शैली को बदलना इस इलाज का एक मुख्य बिंदु है। नियमित व्यायाम, नमक का सेवन कम करना (5 ग्राम प्रतिदिन), खाने में फ्ल एवं सब्जियों का अधिक उपयोग, धूम्रपान, शराब एवं तंबाकू आदि के सेवन से बचना ऐसे कुछ मुख्य उपाय हैं। आमतौर पर देखा गया है कि यदि आपको रक्तचाप बहुत अधिक नहीं बढ़ा है तो सिर्फ जीवन शैली का परिवर्तन ब्लड प्रेशर को काबू में रख सकता है। यदि दवाइयों का सेवन करना पड़े तो उससे घबराए नहीं क्योंकि आजकल ब्लड प्रेशर के इलाज के लिए बहुत सारी सुरक्षित दवाइयाँ

उपलब्ध हैं। इन दवाइयों के कुछ साइड इफेक्ट हो सकते हैं किंतु ये साइड इफेक्ट उच्च रक्तचाप के प्राणघातक दुष्प्रभावों से काफी कम खतरनाक होते हैं। किसी भी योग्य चिकित्सक के निर्देशन में ब्लड प्रेशर की दवाइयाँ लेना सुरक्षित है। अत: हम अपने ब्लड प्रेशर के बारे में सजग रहना आवश्यक है।

यदि ब्लड प्रेशर बढ़ता भी है तो उसे अपनी जीवन शैली में परिवर्तन एवं दवाइयों के माध्यम से सामान्य रखना कठिन नहीं है। यदि हमारा ब्लड प्रेशर सामान्य है तो हम लकवा, हृदयाघात, अंधत्व एवं गुर्दे की बीमारियों से बच सकते हैं एवं एक सामान्य जीवन के मालिक बन सकते हैं।

काली चाय पिएं, दांतों को सड़न से बचाएं

दांतों पर रोजाना अच्छी तरह से ब्रश से रगड़-रगड़ कर मंजन करने से भी कई बार दांतों की सडन को रोक पाना संभव नहीं हो तो पाता। मुंह के भीतर कई जीवाणुओं के मिलने से यह सड़न बनती है लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि काली चाय पीने से दांतों की इस सड़न को दूर किया जा सकता है। इलिनोथ यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस संबंध में शौक करके बताया कि काली चाय से करीब 15 मिनट तक 30-30 सैकेंड के लिए पांच बार कुल्ला करने से दांतों की सड़न रूक जाती है और अगर भोजन करने के बाद सही ढंग से कुल्ला किया जाए तो दांतों का क्षरण रूक जाता हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चला कि काली चाय में मौजूद पॉलीपिनोल तत्व दांतों की सड़न को रोकते हैं। ऐसा ही एक अध्ययन स्वीडन के वैज्ञानिकों ने भी किया।

इन वैज्ञानिकों का कहना है कि दिन में कम से कम 10 बार एक मिनट तक काली चाय से कुल्ला करने से दांत सड़ने से काफी हद तक बच जाते हैं जबकि काली चाय की बजाय साधरण पानी से कुल्ला करने से यह संभव नहीं है।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

गर्मी की छुट्टियों में घूमें ये शानदार जगहें, आएगा फुल मजा

गर्मियों के मौसम शुरू होते ही हर कोई इस मौसम में सूरज की चिलचिलाती धूप से परेशान होने लगता है। अगर आप भारत में ऐसी किसी जगह पर रहते हैं जहाँ पर बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है और आप देश में किसी ठंडी जगह पर घूमने जाने के बारे में सोच रहे हैं तो बता दें कि भारत एक ऐसा देश है जहाँ पर कई हिल स्टेशन है जो काफी ठंडे हैं। जो भारत में गर्मियों में घूमने के लिए बिलकुल सही प्लेस हैं, इन हिल स्टेशन की यात्रा करने आप गर्मियों में भी ठंडी का मजा ले सकते हैं। अगर आप गर्मियों की छुट्टी में कही घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं तो इस लेख को जरुर पढ़ें, इसमें हम आपको भारत की सबसे ठंडी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जहाँ पर आप गर्मियों के मौसम में भी एन्जॉय कर सकते हैं।

मनाली

मनाली भारत के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। पीर पंजाल और धौलाधार पर्वतमाला के बर्फ से ढकी ढलानों के बीच स्थित मनाली भारत में गर्मियों में सबसे ज्यादा घूमी जाने वाली जगहों में से एक है। मनाली का प्राकृतिक वातावरण, हरे भरे जंगल, फूलों के साथ बिछी घास के मैदान, नीले रंग की धाराएं और ताज़ी हवाएं इसको गर्मियों के लिए भारत में खास पर्यटन स्थल बनाती है। मनाली में संग्रहालयों से लेकर मंदिर, छोटे हिप्पी गांव, ऊबड़-खाबड़ गलियों में घूमने के साथ आप गर्मियों में यहाँ कई तरफ के वाटर स्पोर्ट्स, ट्रेकिंग ट्रेल्स और पैराग्लाइडिंग का मजा भी ले सकते हैं। अगर आप गर्मियों में घूमने की कोई अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो आपको मनाली की सैर जरुर करना चाहिए। गर्मियों के मौसम में मनाली का तापमान 10त्से. से 25त्से. के बीच रहता है।

तवांग

अरुणाचल प्रदेशमें लगभग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित तवांग, कई महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई लामा के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है। तवांग 3048 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है जो अपने कई महत्वपूर्ण और सुंदर मठों के लिए जाना जाता है और दलाई नाम के जन्म स्थान के लिए भी लोकप्रिय है। तवांग भारत में गर्मियों में घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। अगर आप सूरज की चिलचिलाती गर्मी से परेशान हो चुकें हैं तो आपको तवांग की यात्रा की यात्रा के लिए जरुर जाना चाहिए। तवांग एक ठंडा और खूबसूरत शहर है जो अपनी मठों के लिए जाना जाता है जिसमें से तवांग मठ सबसे ज्यादा खास है। अगर आप गर्मियों के मौसम में भी तवांग की यात्रा करते हैं तो यह आध्यात्मिकता की खुशबू में लिपटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता से आपकी यात्रा को बेहद सुखद बना देगा। गर्मियों में तवांग का तापमान 5त्से. से 21त्से. के बीच रहता है जो कि भारत के गर्म स्थलों की तुलना में काफी कम है।

गंगटोक

गंगटोक भारत के सिक्किम राज्य का सबसे बड़ा शहर है जो देश में गर्मियों में घूमने की सबसे खास जगहों में से एक है। गंगटोक एक बहुत ही खूबसूरत और आकर्षक, प्राकृतिक और बादलों में लिपटा हुआ पर्यटन स्थल है जहाँ की ठंडक यहाँ आने वाले पर्यटकों के दिल-दिमाग ताजा कर देती है। गंगटोक सिक्किम में पूर्वी हिमालय पर्वत माला पर शिवालिक पहाड़ियों के ऊपर 1437 मीटर की ऊंचाई स्थित है। इसके साथ ही गंगटोक उत्तरी भारत में व्हाइट वाटर राफ्टिंग के लिए तीसरी सबसे अच्छी जगह है। गंगटोक गर्मियों में भारत का एक अच्छा पर्यटन स्थल है जो अपने कई आकर्षणों की वजह से पर्यटकों को यहाँ आने के लिए मजबूर करता है। गर्मी के मौसम में गंगटोक का तापमान लगभग 22त्से. तक रहता है।

ऊटी

ऊटी भारत में गर्मियों के मौसम में घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यह जगह कभी ईस्ट इंडिया कंपनी का मुख्यालय भी हुआ करता था। ऊटी भारत की सबसे ठंडी जगहों में से एक है जिसे पहाड़ियों की रानी के रूप में भी जाना जाता है। यह तमिलनाडु का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है जहाँ पर पूरे साल एक अनुकूल जलवायु मिलती है। समुद्र तल से 2,240 मीटर की ऊँचाई पर नीलगिरी पहाड़ियों के बीच स्थित ऊटी भारी संख्या में पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करता है। ऊटी गर्मियों में यात्रा करने की बेस्ट जगह इसलिए है क्योंकि इस मौसम में यहां का तापमान 20त्से. से 30त्से. के बीच रहता है।

रानीखेत

रानीखेत उत्तराखंड का एक बहुत ही ठंडा और प्रमुख हिल स्टेशन है, जिसको अंग्रेजो द्वारा विकसित किया गया था। रानीखेत हिमालय पर्वत की पहाड़ियों और जंगलों को जोड़ता है। रानी खेत की शांत जलवायु और सरल प्राकृतिक सुंदरता इसको गर्मियों का एक खास पर्यटन स्थल बनती है। रानीखेत अपने कई खास पर्यटन स्थलों से हर साल भारी संख्या में पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करता है।

अगर आप गर्मियों के मौसम में भारत में घूमने की कोई अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो रानीखेत अपनी लिए एक आदर्श स्थान साबित हो सकता है। रानी खेत का गर्मियों के दौरान तापमान 8त्से. से 22त्से. के बीच रहता है।

दार्जिलिंग

दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल राज्य का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है जो पूर्वी हिमालय की तलहटी में स्थित है। दार्जिलिंग की सीमाएं बांग्लादेश, भूटान और नेपाल देशों के साथ लगी हुई है। दार्जिलिंग समुद्र तल से 2134 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है और भारत में गर्मियों में घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक है। दार्जलिंग भारत का एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है जो काफी ठंडा स्थान है। अपनी मनमोहक वादियों के साथ दार्जलिंग अपने चाय के बागानों के लिए भी दुनिया भर में प्रसिद्ध है। दार्जलिंग की प्राकर्तिक खूबसूरती की वजह से हर साल लाखों संख्या में पर्यटक यहाँ घूमने के लिए आते हैं। दार्जलिंग में गर्मियों के मौसम में अधिकतम तापमान 25त्से. के आसपास रहता है।